डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

# रॉयल पत्रिका

रॉयल पत्रिका की ओर से ईद मुबारक

वर्ष : 21 | अंक : 08 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 23 मार्च से 29 मार्च 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

## ईदगाह में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

**- ईदगाह में लाखों ने पढ़ी नमाज, फूलों की बारिश से गूंजा भाईचारा और नशामुक्ति का संदेश**

**जावेद अख्तर**

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पूरे देश में ईद का त्यौहार शनिवार को बड़े ही जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। शहर के ईदगाह में भी सुबह से ही नमाज अदा करने वालों की भारी भीड़ देखने को मिली। लाखों की संख्या में लोग ईद की नमाज पढ़ने के लिए ईदगाह में मौजूद रहे। हर तरफ सफेद कपड़ों में सजे लोग एक साथ इकट्ठा होकर इबादत करते नजर आए।

एक साथ पढ़ी नमाज, दिखी एकता

ईद की नमाज के दौरान एक खास नज़ारा देखने को मिला, जब सभी लोग एक ही सफ में खड़े होकर सज़दा करते नज़र आए। अमीर-गरीब, छोटे-बड़े का कोई फर्क नहीं था, हर कोई एक साथ अल्लाह की इबादत में लीन दिखाई दिया। नमाज़ के दौरान देश की तरक्की, अमन-चैन और भाईचारे के लिए दुआएं भी की गईं। यह नज़ारा एकता और समानता का सशक्त संदेश देता नजर आया।

**हिंदू समुदाय ने फूल बरसाकर बढ़ाया मान**

इस दौरान एक और खास बात देखने को मिली, जब हिंदू समुदाय के कई लोग भी ईदगाह में मौजूद रहे। नमाज़ खत्म होने के बाद उन्होंने वहां मौजूद लोगों पर फूल बरसाए और ईद की मुबारकबाद दी। इस अनोखे नज़ारे ने भाईचारे और एकता की मिसाल पेश की, जहां धर्म से ऊपर उठकर इंसानियत का संदेश साफ तौर पर दिखाई दिया।

नमाज़ के बाद भाईचारे का संदेश

नमाज़ पूरी होने के बाद लोग एक-दूसरे से गले मिलते नज़र आए और ईद की शुभकामनाएं दीं। पूरे माहौल में खुशी, मोहब्बत और आपसी भाईचारे की झलक साफ दिखाई दी। यह त्यौहार केवल खुशियां मनाने का ही नहीं, बल्कि रिश्तों को मजबूत करने और समाज में प्रेम बढ़ाने का भी संदेश देता है।

**देशहित के लिए की गई खास दुआएं**

ईद की नमाज़ के दौरान देश के हित और विकास के लिए भी विशेष दुआएं की गईं। लोगों ने देश में शांति, तरक्की और भाईचारे की कामना की। साथ ही समाज में फैल रही बुराइयों को खत्म करने की भी अपील की गई। यह दर्शाता है कि ईद का त्यौहार केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक है।

**नशा मुक्ति बना नमाज़ का मुख्य संदेश**

इस बार ईद की नमाज़ का एक अहम मकसद नशा मुक्ति को लेकर भी देखने को मिला। नमाज़ के दौरान और बाद में लोगों ने समाज में फैल रहे नशे के खिलाफ आवाज़ उठाई। खास तौर पर युवाओं और छोटे बच्चों में बढ़ती नशे की लत को लेकर चिंता जताई गई और इसे रोकने के लिए दुआएं की गईं।

**प्रशासन से नशा बंद कराने की अपील**

मौके पर मौजूद लोगों ने प्रशासन से भी अपील की कि क्षेत्र में बिक रहे नशे पर सख्ती से रोक लगाई जाए। लोगों का कहना है कि नशा समाज को खोखला कर रहा है और इसे जड़ से खत्म करना बेहद जरूरी है। ईद के इस पावन मौके पर उठी यह आवाज़ एक बड़े सामाजिक बदलाव की ओर इशारा करती है।

## मोदी का विचार अटल से भी एक कदम आगे-चंद्रराज सिंघवी

**हरी चौधरी**

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजनीति के चाणक्य और प्रखर वक्ता चंद्रराज सिंघवी ने वैश्विक युद्धों और आगामी विधानसभा चुनावों पर अपनी बेबाक राय रखी है। 'रॉयल पत्रिका' के साथ एक विशेष बातचीत में सिंघवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सराहना करते हुए कहा कि भारत आज शांति का पक्षधर है, लेकिन युद्ध से डरने वाला राष्ट्र नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आज का नया भारत दुनिया के सामने झुकने के बजाय अपनी शर्तों पर 'भारतीयता' और 'राष्ट्रीयता' की रक्षा करना बेहतर जानता है।

**ईरान-इजराइल युद्ध: इंसानियत की हत्या दुखद, पर मिसाइल शक्ति अनिवार्य**

ईरान और इजराईल के बीच जारी तनाव पर सिंघवी ने कहा कि युद्ध कहीं भी हो, अंततः इंसानियत की ही हत्या होती है। उन्होंने इजराईल की सुरक्षा तैयारियों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां हर घर में बंकर है। भारत को इस युद्ध से सबक लेना चाहिए। सिंघवी ने जोर देकर कहा, 'भारत युद्ध करना नहीं चाहता, पर उसे दुनिया की सर्वाधिक मिसाइल शक्ति वाला राष्ट्र बनना चाहिए। तैयारी ही सुरक्षा की गारंटी है।' उन्होंने पीएम मोदी की नीति को स्पष्ट करते हुए कहा कि हमारा स्टैंड सिर्फ 'भारतीयता' और 'राष्ट्रीयता' की रक्षा है।

**विपक्ष पर प्रहार: 'सड़ी-गली लाश की तरह है विपक्ष'**

विदेश नीति पर स्टैंड स्पष्ट करने की विपक्ष की मांग पर सिंघवी ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष की बातें गंभीरता के लायक नहीं हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि हम किसी एक पक्ष में झुक जाते, तो क्या हमारे जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति (LPG) का मार्ग सुरक्षित रहता ? मोदी सरकार की कूटनीति का ही परिणाम है कि भारत आज दोनों पक्षों से मित्रता और लाभ सुनिश्चित कर पा रहा है।

**बंगाल चुनाव: 'ममता की विदाई तय, विकास के लिए भाजपा अनिवार्य'**

आगामी बंगाल चुनाव पर बात करते हुए सिंघवी ने ममता बनर्जी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिस बंगाल ने सुभाष चंद्र बोस और रवींद्रनाथ टैगोर जैसे मनीषी दिए, वहां आज उद्योगों का पलायन हो रहा है। सिंघवी ने दावा किया, 'ममता के 10-15 साल के राज में बंगाल 'बदरंग' हो गया है।

औद्योगिक केंद्र रहे बंगाल से बिरला और साहू जैन जैसे कार्यालय उठ गए। इस बार बंगाल का हुजूम ममता को बाहर का रास्ता दिखा देगा।" उन्होंने '4 मई बंगाल से टीएमसी गई' के नारे का समर्थन करते हुए कहा कि हिंदुत्व और भारतीयता के हित में वहां परिवर्तन आवश्यक है।

**मोदी के प्रति निष्ठा: "मुझे निजी लाभ नहीं, देश को इज्जत मिली"**

पिछले 20 वर्षों से मोदी के समर्थन के सवाल पर सिंघवी ने भावुक होते हुए कहा कि उन्हें किसी पद की लालसा नहीं है। उन्होंने कहा, 'मोदी से मेरी कोई निजी अपेक्षा नहीं है। मुझे मेरे देश की खोई हुई इज्जत वापस मिली है, यही मेरा सबसे बड़ा लाभ है।' उन्होंने स्वयं को मोदी का अंधभक्त नहीं, बल्कि 'देशहित में समर्थक' बताया।

**गैस संकट: पैनिक नहीं, आत्म-निर्भरता की ज़रूरत**

ईरान-इजराईल युद्ध के कारण देश में एलपीजी (LPG) और तेल की संभावित कमी पर उठ रहे सवालों पर सिंघवी ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि युद्ध के समय संसाधनों की कमी होना स्वाभाविक है, लेकिन इस पर 'पैनिक' होने या ढोल पीटने के बजाय हमें आत्मनिर्भरता और विकल्पों पर ध्यान देना होगा।

उन्होंने पुरानी यादें ताज़ा करते हुए कहा कि हमारी जनता ने चूल्हे और कोयले पर भी जीवन जिया है, इसलिए किसी एक सुविधा की कमी पर घबराने के बजाय अपनी शक्ति और आत्म-विश्वास से जीवित रहना ही सच्ची राष्ट्रीयता है।

## " गज़ल "

हमारी पलकों पे जो अश्क हमारे हैं
ग़मे ज़िन्दगी के अब यही सहारे हैं।

दर्दो फुरकत, रजं व तड़प और प्यास
बस यही गम खुवार हमारे हैं।
आलमे बेबसी अजी कुच्छ ना पूछिये
जबां खोलेतो गुनहगार तुम्हारे हैं।

नक्शे दिल होके रहगये वो लम्हे
साथ में जो हमने तेरे गुज़रे हैं।
यादें मोहूम के सहारे पर अकसर
शबोरोज़ अपने हमने गुजारे हैं।

इतनी कहां मजाल जो कहैं किसी से कुच्छ
यूं तो कहने को सब लोग हमारे हैं।
जीते हैं हम इस तरह ए दोस्त
हम हैं और खयालात तुम्हारे हैं।

रहती दुनिया तक वह रहें या रब
रूहो अनफास जिन पर हमने वारे हैं।
"हबीब" सुनकर गज़ल तुम्हारी वो मुस्कुरा दिये
अब तो खूब तुम्हारे वारे न्यारे हैं।

**-हबीबुल्लाह एडवोकेट**
**जवाहर नगर, जयपुर**

## बुलाऊं तो आता नहीं है

हर कोई सभी को चाहता नहीं है
और मन को भी सब भाता नहीं है
शहर की ख़बरें छपती है लेकिन
तुम्हारी ख़बरें वो छपवाता नहीं है
तुझको समझना भी है इक पहेली
जो घर पर बुलाऊं तो आता नहीं है
कभी तेरी महफ़िल में रौनक था
सुना है अब वो आता जाता नहीं है
मेरे साथ मुद्दत से रहकर भी यारों
वो कहता है यूं मुझसे नाता नहीं है
तुझको समझना भी है इक पहेली
जो घर पर बुलाऊं तो आता नहीं है
परेशानियां कम क्यूं होती नहीं है
क्यों दर्दे सर मेरा जाता नहीं है

**फ़ज़लुर्रहमान**
**सहायक सचिव (सेवा निवृत्त)**

## रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

**रॉयल पत्रिका के RPNews Network Pvt. Ltd. के बैंक खाते में भुगतान नगद या चेक द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100249244 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नज़दीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं । आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।**
**-संपादक**

## सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा ।
अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें ।
**-संपादक, रॉयल पत्रिका**

## सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

# चौमूं में हजारों मुस्लिम भाईयों ने नमाज अदा की

## -अकीदत व खुलूस से मनाई ईद

चौमू (रॉयल पत्रिका) । चौमूं में ईदुल फितर का त्यौहार पूरे जोश खरोश और अकीदत के साथ मनाया गया। शनिवार को मुस्लिम भाईयों ने रमजान माह के रोजा रखने के बाद मस्जिदों में आकर ईद की विशेष नमाज अदा कर मुल्क व कौम की खुशाहली के लिए दुआ की शहर में ईद की नमाज बस स्टेण्ड कलन्दरी मस्जिद, इमाम चौक पठानान मजिद में, रावण गेट मस्जिद में तथा शहर के सभी मस्जिदों में पढी गई। साथ ही हजारों ने सिर बारगाही ईलाही के सामने भुके तथा लोगो ने अल्लाह से अपने गुनाहों को माफ करने तथा नेक रास्ते पर चलने के लिए दुआ की। इससे पूर्व ईद की नमाज शमशुल इस्लाम ईमाम साहब ने पढाई ईद नमाज के बाद खिताब करते हुये उन्होंने कहा कि ईद खुशियों का दिन है तथा आज का दिन रमजान माह से रोजे रखने वालों रोजेदारों की अल्लाह का खास तौहफा है तथा ईद की सच्ची खुशी है कि हम अपने गरीब व बेसहारा भाईयों की मदद करे। ईद का दिन खेलकूद व खुशियां मनाने का दिन है। अल्लाह ने मुसलमानों को ईदुल फितर व ईदुलजुहा के रूप में दो दिन खुशियों मनाने के लिए दिये हैं। इसलिए मुसलमानों को इन दिनों में लोगों के साथ भाईचारगी व देश-प्रेम के साथ मिलकर व लोगों के दुख दर्द बाँटकर खुशियां मनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह हर काम करने के बाद मजदूरी मिलती है उसी तरह रमजान महिना के रोजे के बदले में अल्लाह की तरफ से रोजेदारों की मजदूरी के रूप में ईद की खुशी मिलती है। उन्होंने कहा मौजूदा दौर में देश बडे नाजुक हालात से गुजर रहा है इसलिए देशवासियों का फर्ज है कि सभी जातपात, ऊँचनीच धर्म आदि के भेदभाव भुलाकर एक साथ भाईचारगी के साथ हैं ताकि देश दिन दुनी रात चौगुनी तरक्की कर सके।

# गोविंदगढ़ में पिता पुत्र की मौत पर अधिवक्ताओं में आक्रोश

## -4 घंटे तक थाने के सामने धरना प्रदर्शन आर्थिक सहायता व संविदा नौकरी पर बनी सहमति

चौमू (रॉयल पत्रिका) । जयपुर सीकर हाईवे पर गोविंदगढ़ के पास भदाला कट पर तेज रफ्तार जीप से हुए सड़क हादसे में अधिवक्ता और उनके पिता की मौत के बाद बुधवार को आक्रोश रहा । सुबह करीब 11:00 बजे अधिवक्ता मृतकों के परिजन और अन्य लोग विभिन्न मांगों को लेकर, थाने के सामने सड़क जाम कर धरने पर बैठ गए । करीब 4 घंटे तक चले धरना प्रदर्शन के दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित रही और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। दोपहर बाद प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ तीसरे दौर की वार्ता में सहमति बनने पर करीब 3:00 बजे धरना समाप्त हुआ। मौके पर आईपीएस उषा यादव, एसडीएम दिलीप सिंह राठौड़, विधायक डॉ. शिखा मिल बराला, पूर्व रामलाल शर्मा, आरएलपी नेता छुट्टन यादव पहुंचे। जानकारी के अनुसार मंगलवार को जयपुर सीकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गोविंदगढ़ के पास भदाला कट पर सीकर से जयपुर की ओर जा रही जीप अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर दूसरी लाइन में पहुंच गई और स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में चोमू वार्ड नंबर 1 निवासी सेवानिवृत शिक्षक सत्यनारायण सैनी 66 और उनके बेटे अधिवक्ता विजेंद्र सैनी की मौत हो गई । जबकि पोता मनवीर घायल हो गया वे स्कूटी से श्रीमाधोपुर में एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। घटना से आक्रोशित अधिकताओं और परिजनों ने पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए मुआवजा और जीप चालक की शीघ्र गिरफ्तारी और रेंटल जीप वाहनों पर नियंत्रण की मांग रखी। मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों ने समझाइस का प्रयास किया, लेकिन आरंभिक दौर में सहमति नहीं बन सकती। घटना स्तर पर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ तीसरे दौर की वार्ता में सहमति बनी। समझौते के तहत मृतक अधिवक्ता विजेंद्र सैनी के परिजनों को 21 लाख रुपए की आर्थिक सहायता डेरिबूथ और संविदा पर नौकरी देने पर सहमति बनी। इसमें प्रशासन 10 लाख रुपए विधायक 5 लाख ,पूर्व विधायक 5 लाख, और आरएलपी नेता ने एक लाख रुपए देने की घोषणा की।
मौके पर बार एसोसिएशन अध्यक्ष चरण सिंह चौधरी, कोषाध्यक्ष अजय सिंह शेखावत, प्रियंका यादव अधिवक्ता, धीरेंद्र सैनी, महेश देव सैनी, अधिवक्ता दुर्गा शंकर शर्मा, पवन प्रजापति, विनोद शर्मा, करनी प्रताप सिंह, विजय चौधरी, कैलाश गौरव, राजेंद्र शर्मा, सुनील उप्पल, कालूराम अग्रवाल, बार के पूर्व अध्यक्ष सरवन चोपड़ा, पूर्व महासचिव कुंज बिहारी कुमावत सहित कई अधिवक्ता और माली समाज अध्यक्ष हीरालाल पाच्या सहित कई लोग मौजूद रहे।

# नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रयी ने संभाली कमान

## - कानून-व्यवस्था को लेकर जताया भरोसा

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले की नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मेंत्रयी ने पदभार ग्रहण करने के बाद सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में मीडिया कर्मियों को संबोधित किया।
उन्होंने जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने का भरोसा दिलाया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि साइबर अपराध एवं अवैध बजरी खनन पर सख्ती से अंकुश लगाने के लिए पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य करेगी। आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए ट्रैफिक प्रबंधन, सीसीटीवी निगरानी, रात्रिकालीन गश्त सहित सभी आवश्यक उपायों को और अधिक सशक्त किया जाएगा।
उन्होंने विशेष रूप से महिला सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि महिलाएं घर, कार्य स्थल या सार्वजनिक स्थानों पर स्वयं को पूर्णतः सुरक्षित महसूस करें, यह पुलिस की जिम्मेदारी है। इसके लिए विशेष टीमों का गठन किया जाएगा, ताकि वे महिलाएं जो थाने में शिकायत दर्ज कराने में संकोच करती हैं, उनकी समस्याओं का समाधान संवेदनशीलता के साथ किया जा सके।
उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिले में कानून-व्यवस्था को "बेहतर से बेहतरीन" बनाया जाएगा, जिससे आमजन में सुरक्षा और भयमुक्त वातावरण स्थापित हो सके।

# सवाई माधोपुर में ईद-उल-फितर पर उमड़ा भाईचारे का सैलाब

## -ईदगाह में अदा हुई नमाज, अमन-शांति का दिया संदेश

**शादाब अली**
सवाई माधोपुर(रॉयल पत्रिका) । ईद-उल-फितर के पावन अवसर पर सोमवार को शहर में खुशी, उत्साह और आपसी भाईचारे का अद्भुत संगम देखने को मिला। राजकीय सामान्य चिकित्सालय के पीछे स्थित ईदगाह में सुबह 8:30 बजे शहर काजी निसार उल्लाह के पुत्र मौलवी शाकिब उल्लाह ने ईद की नमाज अदा करवाई, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया।
नमाज के पश्चात शहर काजी इरफान उल्लाह ने अपने संबोधन में समाज को अमन, शांति और आपसी सद्भाव का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ईद-उल-फितर केवल खुशियों का पर्व नहीं, बल्कि यह प्रेम, एकता और इंसानियत को मजबूत करने का अवसर भी है। इस अवसर पर बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने एक साथ हाथ उठाकर खुदा की बारगाह में दुआएं मांगी। रमजान के पवित्र महीने के समापन पर शहर काजी निसार उल्लाह ने विशेष दुआ करवाई, जिसमें देश और प्रदेश में अमन-चैन, खुशहाली और निरंतर तरक्की की कामना की गई।
ईद के इस पावन अवसर पर शहरवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। नगर परिषद द्वारा नमाजियों के लिए स्वच्छ एवं शीतल पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई, जिससे लोगों को काफी राहत मिली। वहीं, पुलिस प्रशासन द्वारा भी सुचारु यातायात के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए गए, जिससे कहीं भी जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई।
नमाज के बाद सभी लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी।

# विश्व जल दिवस पर झालावाड़ जिला स्तरीय जल महोत्सव आयोजित

## - जहां पानी बहता है वहां समानता पनपती है" थीम पर जल संरक्षण का संदेश

**फिरोज खांन वारसी**
झालावाड़ (रॉयल पत्रिक) । विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में रविवार 22 मार्च को जिला स्तरीय जल महोत्सव एवं कार्यशाला का आयोजन मिनी सचिवालय सभागार में जिला कलक्टर अजय सिंह राठौड़ के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस वर्ष की थीम "पानी और लिंग - जहां पानी बहता है वहां समानता पनपती है" के अनुरूप कार्यक्रम में जल संरक्षण एवं जल के समुचित उपयोग पर विशेष जोर दिया गया।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर श्री राठौड़ ने कहा कि विश्व जल दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति तक स्वच्छ एवं सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जल का दुरुपयोग अधिक हो रहा है, जो भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं आमजन से आह्वान किया कि वे जल के महत्व को समझते हुए इसके संरक्षण को अपनी प्राथमिकता बनाएं।
जिला कलक्टर ने अपने उद्बोधन में कहा कि "जल ही जीवन का आधार है और इसके बिना किसी भी प्रकार का विकास संभव नहीं है। यदि आज हम जल का संरक्षण नहीं करेंगे तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ेगा। अतः हम सभी का यह दायित्व है कि जल का सदुपयोग करें, इसे प्रदूषित होने से बचाएं तथा वर्षा जल संचयन जैसी तकनीकों को अपनाएं।" उन्होंने जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने पर भी बल दिया। इस अवसर पर उन्होंने सभी उपस्थित जनों को जल संरक्षण, जल के सदुपयोग एवं जल स्रोतों को स्वच्छ रखने की शपथ दिलाई।
कार्यक्रम में उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के पूर्व डीन डॉ. मधुसूदन आचार्य ने अपने व्याख्यान में पृथ्वी पर समस्त जीव-जंतुओं के लिए जल के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने वर्तमान जीवनशैली में जल संरक्षण के व्यावहारिक उपायों जैसे वर्षा जल संचयन, जल का पुनः उपयोग एवं पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण पर विस्तार से जानकारी दी।
इस दौरान जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में जल संरक्षण हेतु किए जा रहे नवाचारों एवं प्रयासों की जानकारी साझा की, जिससे अन्य क्षेत्रों के लिए प्रेरणा का वातावरण बना।
जल संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का हुआ सम्मान-
कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले जनप्रतिनिधियों एवं कार्मिकों को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित व्यक्तियों में सुनीता शर्मा (ग्राम पंचायत बड़बड़), भगवती बाई (मनपसर), अर्जन सुमन (लायफल), नारायण (हरनावदा गजा), दिनेश कुमार पाटीदार (धरोनिया), कमलेश कुमार मेघवाल (रा.उ.मा.वि. बानोर), किरण माला जैन (स्वयं सहायता समूह, भालता), उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के पूर्व डीन डॉ. मधुसूदन आचार्य, राजेन्द्र कुमार शर्मा (एचआरडी कन्सलटेंट) एवं डॉ. विक्रम टाक (हाइड्रोलॉजिस्ट) शामिल रहे।
कार्यक्रम में उपवन संरक्षक सागर पंवार, अतिरिक्त जिला कलक्टर अनुराग भार्गव, उपखण्ड अधिकारी अभिषेक चारण, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता अमर सिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

## राजनीति की भेंट चढ़ा 'पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का ड्रीम प्रोजेक्ट'

# एसएमएस का आईपीडी टॉवर अब भी अधूरा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान को चिकित्सा के क्षेत्र में वैश्विक मानचित्र पर लाने का सपना आज सियासत की धूल फांक रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का 'महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट' कहा जाने वाला 24 मंजिला आईपीडी टावर आज अपनी अधूरी मंजिलों के साथ व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रहा है। कभी इसे भारत का सबसे ऊंचा और हाईटेक मेडिकल टावर बताया गया था, लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ ही इस 'मेडिकल हब' की रफ्तार पर जैसे ब्रेक लग गया है।

### भारत की सबसे ऊंची इमारत का सपना

अशोक गहलोत ने इस प्रोजेक्ट की नींव इस सोच के साथ रखी थी कि सवाई मानसिंह अस्पताल में आने वाले मरीजों को एक ही छत के नीचे दुनिया की सर्वश्रेष्ठ

### दुनिया का हाईटेक अस्पताल...लेकिन 13 मंजिल पर अटकी सांसे

सुविधाएं मिलें। 588 करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट में 1200 से अधिक बेड, 20 अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर, 100 से ज्यादा ओपीडी रजिस्ट्रेशन काउंटर और छत पर एयर एम्बुलेंस के लिए हेलीपैड प्रस्तावित था। अगर यह समय पर पूरा होता, तो यह मेडिकल टूरिज्म का बड़ा केंद्र बनता।

### 11 मंजिल का काम अभी भी बाकी

प्रोजेक्ट की वर्तमान स्थिति की बात करें तो गहलोत सरकार के जाने तक करीब 11 मंजिलों का ढांचा खड़ा हो चुका था। वर्तमान में यह इमारत 13-14 मंजिल तक पहुंची है, लेकिन ऊपर की 10 मंजिलों का काम कछुआ चाल से चल रहा है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि भजनलाल सरकार (भाजपा) इस प्रोजेक्ट को जानबूझकर धीमा कर रही है ताकि इसका श्रेय पूर्व सरकार को न मिले। वहीं, तकनीकी रूप से देरी का कारण जेडीए (JDA) द्वारा समय पर बजट पास न कर पाना और ठेकेदार को भुगतान में आ रही अड़चनें बताई जा रही हैं।

### सियासी नूराकुश्ती में पिस रही है जनता

कांग्रेस का कहना है कि बीजेपी को डर है कि अगर यह टावर शुरू हो गया, तो जनता गहलोत सरकार की 'हेल्थ स्कीम' और इस सौगात को कभी भूल नहीं पाएगी। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष के गलियारों में चर्चा है कि प्रोजेक्ट की लागत बढ़ने और बजट की कमी के कारण काम प्रभावित हुआ है। इस सियासी खींचतान के बीच आम मरीज आज भी एसएमएस अस्पताल की पुरानी गलियों और लंबी कतारों में धक्के खाने को मजबूर है।

### बजट का गणित और भविष्य की चुनौतियां

शुरुआत में करीब 456 करोड़ की लागत से शुरू हुए इस प्रोजेक्ट का बजट अब बढ़कर 615 करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है। 11 जून 2024 को हुई एम्पावर्ड कमेटी की बैठक में इसे 24 मंजिला ही बनाए रखने का निर्णय तो लिया गया, लेकिन धरातल पर फंड की कमी अब भी सबसे बड़ी बाधा है।



# भट्टा बस्ती में रोज़ा इफ्तार का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के शास्त्री नगर स्थित भट्टा बस्ती में गुरुवार 19 मार्च को ज़ाहिद निर्बान पार्षद द्वारा भट्टा बस्ती वार्ड कार्यालय पर रोज़ा इफ्तार का आयोजन करवाया गया। इस रोज़ा इफ्तार में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, जयपुर शहर ज़िला अध्यक्ष सुनील शर्मा, आदर्श नगर विधायक रफीक खान, किशनपोल विधायक अमीन कागजी, आरआर तिवारी, महेश जोशी, वक़्फ़ बोर्ड चेयरमेन खानु खान बुधवाली मौजूद थे। इस रोज़ा इफ्तार पार्टी में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का साफा पहनाकर सम्मान किया गया।

## सुमित कुमार पाक को दे रहा था सेना की जानकारी, गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान इंटेलिजेंस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए असम एयरफोर्स स्टेशन से जुड़े एक सिविल कर्मचारी को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से पाकिस्तान के खुफिया हैंडलर्स के संपर्क में रहकर संवेदनशील सैन्य सूचनाएं साझा कर रहा था। एडीजी पुलिस (इंटेलिजेंस) प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित लाहुरपार निवासी 36 वर्षीय सुमित कुमार को गिरफ्तार किया गया है। सुमित वर्तमान में असम के डिब्रूगढ़ स्थित एयरफोर्स स्टेशन छबुआ में पदस्थापित है, जो स्टेशन पर एमटीएस के पद पर रहते हुए सिविल कार्य देखता है। जांच में सामने आया है कि सुमित कुमार अपने कार्य के दौरान गोपनीय जानकारी, लड़ाकू विमान की लोकेशन, मिसाइल सिस्टम की जानकारी पाक हैंडलर्स को उपलब्ध करा रहा था।

एडीजी पुलिस प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि जनवरी में एक गिरफ्तारी के बाद आरोपी सुमित कुमार के संबंध में इनपुट मिला था। उससे पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी वर्ष 2023 से लगातार पाक खुफिया एजेंसी के संपर्क में था और धन के लालच में गतिविधियों में शामिल रहा। आरोपी एयरफोर्स स्टेशन नाल, बीकानेर सहित विभिन्न एयरफोर्स स्टेशनों तथा उनमें कार्यरत अधिकारी व कर्मचारियों से संबंधित सूचनाएं अपने नाम से जारी मोबाइल नंबरों के जरिए सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर पाक हैंडलर्स को भेज रहा था।

## राजसी ठाट-बाट के साथ निकली गणगौर की शाही सवारी, लोक संस्कृति के रंग में रंगी छोटी काशी



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलाबी नगरी में गुरुवार को लोक पर्व गणगौर की अनूठी छटा बिखरी। रियासतकालीन परंपरा का निर्वहन करते हुए सिटी पैलेस के जनानी ड्योढ़ी से माता गणगौर की शाही सवारी पूरे राजकीय लवाजमे के साथ निकली। करोड़ों के स्वर्ण आभूषणों और बेशकीमती रत्नों से श्रृंगारित माता के दर्शनों के लिए त्रिपोलिया गेट से तालकटोरा तक जनसैलाब उमड़ पड़ा।

**स्वर्ण आभूषणों से दमक उठीं माता**

माता गणगौर का श्रृंगार इस बार भी आकर्षण का केंद्र रहा। माता ने करीब 1.5 किलो का स्वर्ण मुकुट, चंपाकली हार और हीरे-माणक जड़े पारंपरिक आभूषण धारण किए। पीली सुनहरी पोशाक में सजी माता को जब लाल वस्त्र धारी कहार कंधों पर उठाकर निकले, तो पूरा वातावरण 'गणगौर माता की जय' के उद्घोष से गूंज उठा।

**210 कलाकारों ने बिखेरे सांस्कृतिक रंग**

सवारी में राजस्थान की लोक कला का जीवंत प्रदर्शन देखने को मिला। कच्छी घोड़ी, कालबेलिया, चरी, घूमर और गैर नृत्य करते 210 कलाकारों ने पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लवाजमे में सजे-धजे हाथी, ऊंट, घोड़े, तोप गाड़ी और पारंपरिक बैंड शामिल थे। इस बार पहली बार शामिल हुए 'शंकर बैंड' ने दर्शकों का विशेष ध्यान खींचा।

**सुरक्षा के कड़े इंतजाम, लाइव प्रसारण भी**

हजारों की भीड़ और विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा के लिए चप्पे-चप्पे पर पुलिस जाब्ता तैनात रहा और ट्रैफिक रूट डायवर्ट किए गए। इस बार आधुनिकता का पुट देते हुए सवारी का डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लाइव प्रसारण भी किया गया, जिससे सात समंदर पार बैठे लोग भी जयपुर के इस वैभव के साक्षी बन सके। कार्यक्रम में सबसे अच्छा नृत्य करने वाली एक छोटी सी लड़की रही। जिसने सबका दिल जीत लिया और अब सोशल मीडिया पर उस लड़की रील्स खूब वायरल हो रही हैं।

## सड़क सुरक्षा पर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने दिया व्याख्यान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एयर फोर्स स्टेशन जयपुर में शुक्रवार को रोड सेफ़्टी वीक के समापन अवसर पर सड़क सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में आरटीओ जयपुर द्वितीय, विद्याधर नगर में पदस्थापित इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने एयर फोर्स वॉरियर्स, अधिकारियों, एयर फोर्स स्कूल के विद्यार्थियों एवं उनके परिवारजनों को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के विभिन्न कारणों एवं उनसे बचाव के उपायों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज ने कार्यशाला में दी गई महत्वपूर्ण जानकारी के लिए आभार व्यक्त किया तथा सड़क सुरक्षा विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए।




कार्यशाला के दौरान मुस्कान फाउंडेशन के शांतनु भसीन ने पीपीटी के माध्यम से सड़क सुरक्षा, रोड साइन एवं रोड मार्किंग के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

इंस्पेक्टर दिनेश सिंह पिछले कई वर्षों से जयपुर जिले में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से हजारों लोगों को जागरूक कर चुके हैं।

कार्यक्रम में ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज ने इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। अंत में इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने सभी उपस्थित एयर फोर्स स्टाफ, विद्यार्थियों एवं उनके परिवारजनों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई।

## ईद पर भी बदहाल, जयपुर-वार्ड 19 में गंदगी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के शास्त्री नगर स्थित बंधा बस्ती, नाहरी का नाका, वार्ड नंबर 19 से सामने आई तस्वीरें सिस्टम की लापरवाही की पूरी कहानी बयां कर रही हैं। पिछले दो महीनों से सड़कों पर सीवर का पानी बह रहा है और जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं। रमजान का पूरा महीना गुजर गया और ईद जैसे बड़े त्यौहार के मौके पर भी इलाके में सफाई का कोई इंतजाम नहीं किया गया। यह हालात प्रशासनिक दावों और जमीनी सच्चाई के बीच बड़े अंतर को उजागर करते हैं।

**जमीनी हकीकत**

स्थानीय लोगों के मुताबिक, उन्होंने कई बार नगर निगम में शिकायत दर्ज करवाई, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। सफाई गाड़ी आने की बात कही जाती रही, लेकिन हकीकत में न तो गाड़ी आई और न ही सफाई कर्मचारी नजर आए। इलाके में बहता सीवर का पानी और कचरे के ढेर लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन चुके हैं। हालात इतने खराब हैं कि बदबू और गंदगी के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है।

**त्यौहार पर अनदेखी**

शुक्रवार का दिन और अगले दिन ईद का त्यौहार —जिसे मुस्लिम समुदाय का सबसे बड़ा पर्व माना जाता है—उस दिन भी हालात जस के तस बने रहे। जहां एक ओर लोग ईद की नमाज और खुशियों की तैयारी कर रहे थे, वहीं दूसरी ओर गंदगी ने पूरे माहौल को खराब कर दिया। लोगों का कहना है कि जब त्यौहार पर भी सफाई नहीं हो सकती, तो आम दिनों में उम्मीद करना बेकार है।

**पार्षद का बयान**

स्थानीय पार्षद अफ़ज़ल महबूब से जब इस मुद्दे पर बात की गई, तो उनका बयान खुद कई सवाल खड़े करता नजर आया। पार्षद ने कहा कि "गाड़ी तो आती है, सफाई होती है", लेकिन जब उन्हें बताया गया कि पिछले पांच सालों में कई जगहों पर एक भी बार गाड़ी इलाके में नहीं आई, तो वे अपनी बात पर अड़े रहे। उन्होंने यह भी कहा कि "लोग खुद कचरा फैलाते हैं, मैं थोड़ी जाकर बैठा रहूंगा कि कौन कचरा डाल रहा है।" जब उन्हें कचरे के ढेर की वीडियो दिखाई गई, तो वे स्पष्ट जवाब देने के बजाये बात घुमाते नजर आए।

**अधिकारियों का पक्ष**

जब संबंधित अधिकारियों से बात की गई, तो उनका कहना था कि "हम मिलकर काम करेंगे और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाएंगे।" लेकिन सवाल यह उठता है कि जब समस्या लंबे समय से बनी हुई है, तो अब तक यह पहल क्यों नहीं की गई। पहले अलग-अलग वार्ड का हवाला देकर जिम्मेदारी से बचा जाता रहा— कभी वार्ड 19 और 23 का मामला बताकर टाल दिया गया।

**सवालों के घेरे में**

एक तरफ हजारों स्थानीय लोग यह कह रहे हैं कि इलाके में सफाई नहीं होती, वहीं दूसरी तरफ पार्षद और अधिकारी सब कुछ ठीक होने का दावा कर रहे हैं। ऐसे में दोनों पक्षों के बयान पूरी तरह से अलग नजर आते हैं। अब यह तय करना मुश्किल हो गया है कि सच्चाई किसके साथ है।

**प्रशासन पर सवाल**

यह मामला सिर्फ गंदगी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक लापरवाही और जवाबदेही की कमी को भी उजागर करता है।

राजस्थान जहां सफाई को लेकर बड़े-बड़े दावे करता है, वहीं जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। अब देखना यह होगा कि क्या इस बार कोई ठोस कार्रवाई होती है या फिर यह मामला भी अनदेखा कर दिया जाएगा।

## पश्चिम एशिया में उत्पन्न हालातों पर पीएम मोदी के वक्तव्य का सभी देशवासी करते हैं पूर्ण समर्थन:— मदन राठौड़

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पश्चिम एशिया में उत्पन्न वर्तमान हालातों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोकसभा में दिए गए विस्तृत वक्तव्य का हम पूर्ण समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में स्पष्ट रूप से कहा कि वैश्विक शांति और स्थिरता आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा किसी भी प्रकार का संघर्ष मानवता के हित में नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में यह दोहराया कि भारत की नीति सदैव संवाद और कूटनीति के माध्यम से समस्याओं का समाधान निकालने की रही है। उन्होंने नागरिक क्षेत्रों, पावर प्लांट्स तथा अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों—विशेष रूप से होर्मुज़ जलडमरू मध्य पर किसी भी प्रकार के हमलों को अस्वीकार्य बताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि सरकार की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए प्रधानमंत्री मोदी जी ने कहा है कि देश में तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत अब 27 के स्थान पर 41 देशों से आयात कर रहा है। यह कदम संभावित वैश्विक संकट के प्रभाव को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

# रॉयल पत्रिका

## संपादकीय...

### प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इज़राईल और ईरान युद्ध को रुकवा सकते हैं !

इज़राईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के घनिष्ठ मित्र हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इजराईल ईरान युद्ध शुरू होने से दो दिन पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से जाकर मिले थे और मित्रता निभाने का पूरा आश्वासन भी दिया था। मित्रता निभाते हुए भारत ने इज़राईल को कुछ दिन पहले हजारों की तादाद में भारतीय मज़दूर भेजे थे। इस युद्ध के दौरान भी भारत द्वारा इजराईल को और मज़दूर भेजने की सूचना है। युद्ध के करीब 22 दिन गुजरने के बाद अमेरिका इजराईल मिलकर भी ईरान को झुका नहीं पाए हैं। वैसे ईरान को इस दौरान इज़राईल और अमेरिकी हमलों से बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। ईरान की बुनियादी सुविधाओं को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। उसके परमाणु ठिकाने गैस एवं तेल रिफाइनरियाँ बर्बाद हो गई हैं। हजारों की संख्या में ईरान के नागरिक एवं सैंकड़ों सैन्य कमांडर मारे गए हैं। लेकिन ईरान की मिसाइल और ड्रोन पॉवर को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। यही कारण है कि ईरान ने भी इज़राईल और अमेरिका के परमाणु ठिकानों, तेल ठिकानों, रेल टर्मिनलों, कारखानों, अस्पतालों और सैन्य ठिकानों को काफी नुकसान पहुंचाया है। इजराईल की 22 दिन पहले जो सैन्य ताकत थी वह अब कम होती दिखाई दे रही है। इजराईल जो पहले ईरान को जड़ से मिटाने की बात करता था, उसने भी युद्ध विराम के लिए मध्यस्थ तलाशना शुरू कर दिया है। क्योंकि ईरान के मिसाइल एवं ड्रोन हमलों में इजराईल की कमर टूट गई है। इजराईल दिनों-दिन कमजोर पड़ता नजर आ रहा है। इजराईल युद्ध विराम के लिए तैयार भी हो सकता है। अमेरिका पहले से ही ईरान से युद्ध विराम की अपील कर रहा है और बातचीत करना चाहता है। क्योंकि अमेरिका के लिए यह युद्ध इतिहास का सबसे ज्यादा महंगा युद्ध साबित होने जा रहा है। अमेरिका भी युद्ध रुकवाने के लिए मध्यस्थता की तलाश में है। अमेरिका से भारत के अच्छे संबंध हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मित्र हैं। मोदी जी कभी भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना नहीं करते हैं और पूरी दोस्ती निभाते हैं। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध ईरान और उसके शीर्ष नेतृत्व से अच्छे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की ईरान की मित्रता के कारण और होर्मुज पास से गैस टैंकर आसानी से आ जा रहे हैं, जबकि कई देशों के तेल गैस टैंकरों को ईरान ने वहां से आने-जाने पर पाबंदी लगा दी है। इसलिए कहा जा रहा सकता है कि विश्व में एकमात्र मोदी जी एक ऐसे नेता हैं जो दोनों पक्षों से बातचीत करके युद्ध रुकवा सकते हैं। वैसे इजराईल अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। यदि युद्ध नहीं रुका तो विश्व स्तर पर हानिकारक प्रभाव देखने को मिलेंगे और विश्व की आर्थिक स्थिति डावाडोल हो सकती है। विश्व में ऊर्जा संकट पैदा हो सकता है। यदि यह युद्ध विश्व युद्ध में बदल गया तो दुनिया बर्बादी के कगार पर पहुंच सकती है। लेकिन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में युद्ध रुकवाने की क्षमता दिखाई दे रही है। मोदी जी को अपने दोस्तों से बात करनी चाहिए। वैसे भारत इस युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं है और ज्यादा नुकसान होने की संभावना भी नहीं है। युद्ध के बाद भारत का व्यापार तेजी से बढ़ सकता है और आर्थिक फायदा हो सकता है।

# क्या अमेरिका दुनिया को अपनी मर्जी से चलाना चाहता है ?

## -अमेरिका ने पहले अवैध रुप से वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उठाया और अब ईरान पर युद्ध थोप दिया है। इससे ऐसा लगता है कि अमेरिका दुनिया को अपनी मर्जी से चलाना चाहता है।

अमेरिका ने पहले अवैध रूप से वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उठाया और ईरान पर युद्ध थोप दिया है। इससे ऐसा लगता है कि अमेरिका दुनिया को अपनी मर्जी से चलाना चाहता है । अमेरिका की इस नीति को समझने के लिए हमें समझना होगा कि अमेरिका और इजराईल की पृष्ठभूमि क्या है ? इसमें हमें यूएनओ की विफलता को भी समझना होगा। दूसरे विश्व युद्ध के बाद यूएनओ की स्थापना ही इस उद्देश्य से की गई थी कि भविष्य में विश्व में युद्ध ना हो और विश्व के नागरिक शांति से रह सकें । क्योंकि युद्ध के केवल देश की सेनाओं का नुकसान ही नहीं होता है, बल्कि सबसे ज्यादा कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ती है। हजारों महिलाएं विधवा हो जाती हैं, लाखों बच्चे यतीम हो जाते हैं। हजारों बच्चे मारे जाते हैं। इसलिए युद्ध हमेशा मानवता को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। अब बात करते हैं यूएनओ की। यह यह जिस उद्देश्य से बनाया गया था उसमें पूरी तरह से विफल रहा है। यूएनओ दुनिया के किसी युद्ध को रोकने में नाकाम रहा है। यह हमेशा वीटो प्राप्त देश के सामने कमजोर साबित हुआ है। इज़राईल के द्वारा गाजा में किए गए नरसंहार का मामला हो या फिर वेनेजुएला के राष्ट्रपति का मामला हो या अभी हाल ही ईरान पर अमेरिका और इज़राईल द्वारा थोपे गए युद्ध का मामला हो। यूएनओ अपनी भूमिका निभाने में पूरी तरह से नाकाम रहा है और यह साबित हो गया है कि उसकी कोई भूमिका विश्व में शांति स्थापित करने में नहीं रही है। अब बात करते हैं अमेरिका के दादागिरी की । सोवियत रूस एवं सोवियत रूस के खात्मे के बाद अमेरिका एक तरह से विश्व का अघोषित थानेदार बन गया है और दुनिया के सामने साबित हो गया है कि अमेरिका विश्व शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा साबित हुआ है । यह किसी भी देश में अपनी मर्ज़ी की सरकार बनवाने के लिए कोई भी बहाना करके उस देश पर हमला कर देता है। पहले वियतनाम को तबाह किया फिर इराक़ और लीबिया को फिर अफगानिस्तान तबाह किया। वैसे तो अमेरिका खुद को एक लोकतांत्रिक देश कहता है। लेकिन उसने हमेशा लोकतंत्र को कमज़ोर करने का काम किया है। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति ट्रंप ने तो साबित कर दिया कि यदि कोई गैर जिम्मेदार व्यक्ति लोकतांत्रिक तरीके से चुनकर आकर भी विश्व शांति के लिए खतरा बन सकता है। ट्रंप जबसे चुनाव जीते हैं तब से उनके फैसले एक अस्थिर मानसिकता वाले व्यक्ति जैसे नज़र आते हैं। पहले उन्होंने कहा कि कनाडा को वे अमेरिका में मिला लेंगे, फिर उन्होंने कहा कि ग्रीन लैंड को वे छीन लेंगे। फिर ईरान निशाने पर आ गया और कहने लगे कि ईरान में उन्हें उनकी मर्ज़ी का राष्ट्रपति चाहिए। क्या अमेरिका तय करेगा कि कौन से देश का प्रधानमंत्री कौन होगा, राष्ट्रपति कौन होगा । यह सब करने का अधिकार अमेरिका को किसने दिया । लेकिन अपनी ताकत के नशे में चूर इस व्यक्ति ने ईरान पर युद्ध थोप दिया और हमला करके वहां के धार्मिक सुप्रीम लीडर की हत्या कर दी। अमेरिका और इजराईल का यह कृत्य न केवल यूएन चार्टर का खुला उल्लंघन है, बल्कि हर अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार अपराध है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब ईरान वार्ता के लिए तैयार था और वार्ताएं कर भी रहा था तो अमेरिका और इजराईल ने ईरान पर हमला क्यों किया ? तो इसके लिए अमेरिका और इजराईल की इस्लाम विरोधी मानसिकता को समझना होगा। इजराईल को जबरन अरबों की ज़मीन पर एक राष्ट्र के रूप में ईसाई राष्ट्रों ने थोपा जिसे अरबों और मुस्लिम देशों ने स्वीकार नहीं किया। उसके नतीजे में इज़राईल लगातार अरब देशों को अमेरिका के जरिये गुलाम बनाये हुए है और लगातार अपना विस्तार कर रहा है। अरब के जितने भी बादशाह और सुल्तान हैं वे अमेरिका के गुलाम बने हुए हैं। लेकिन इन देशों की जनता आज भी इजराईल के खिलाफ है और ईरान अकेला देश था जो अमेरिका और इजराईल की इस्लाम विरोधी नीतियों का विरोध करता है । इसलिए अमेरिका और इज़राईल जानते थे कि जब तक ईरान मजबूत रहेगा तब तक इजराईल के ग्रेटर इज़राईल बनाने का सपना पूरा नहीं किया जा सकता है। इसलिए ईरान पर हमला करने के लिए बहाना बनाया गया कि वह परमाणु बम बना रहा है। जबकि ईरान लगातार कहता रहा है कि उसका परमाणु बम बनाने का कोई इरादा नहीं है। लेकिन एक सवाल है जिसका जवाब न अमेरिका के पास है और न यूएनओ के पास । सवाल यह है कि जब अमेरिका, रूस, फ्रांस, ब्रिटेन, भारत, चीन, पाकिस्तान परमाणु बम बना सकते हैं तो ईरान क्यों नहीं । अमेरिका को यह अधिकार कैसे हासिल हो गया । लेकिन यह वह ताकतवर है इसलिए वह चाहता है कि दुनिया के देश वैसा ही करेंगे जैसा अमेरिका चाहता है और जो देश ऐसा नहीं करेंगे अमेरिका उस देश पर हमला कर देगा और इसी नीति के तहत ईरान पर हमला किया गया । लेकिन इस युद्ध ने पूरी दुनिया के सामने संकट खड़ा कर दिया है। आज पूरी दुनिया में तेल और गैस का संकट खड़ा हो गया है। आज भारत में भी आम आदमी गैस सिलेंडर के लिए परेशान है। इस युद्ध ने दुनिया की पूरी राजनैतिक व्यवस्था को बदलकर रख दिया है । भारत भी इससे अछूता नहीं है । सबसे ज्यादा नुकसान अरब देशों को हो रहा है। इस युद्ध से पहले मुस्लिम दुनिया में उनकी इमेज एक स्वतंत्र राष्ट्र की हुआ करती थी, लेकिन इस युद्ध ने उनके चेहरे से नकाब हटा दिया है और दुनिया के मुसलमानों के सामने उनका असली चेहरा सामने ला दिया है कि ये देश जिन्हें मुसलमान स्वतंत्र मानता था वे तो अमेरिका के गुलाम थे। अब इन देशों में वहाँ की जनता ही यहां के बादशाहों और सुल्तानों के साथ नहीं है । सबसे ज्यादा बेनकाब तुर्की का राष्ट्रपति एर्दोगान हुआ जो खुद को दुनिया के मुसलमानों का सबसे बड़ा मुहाफिज बताता था। उसका गाजा के बाद इस युद्ध ने उसका असली चेहरा दुनिया के मुसलमानों के सामने ला दिया। भारत की प्रतिष्ठा को भी इस युद्ध में काफी नुकसान पहुंचा है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र वाला देश है । हम गुट-निरपेक्ष आंदोलन के संस्थापक थे और हमारी आवाज को पूरी दुनिया में सुना जाता था । लेकिन वर्तमान में सत्ता में बैठे लोगों ने ईरान जैसे पुराने मित्र को पहले अकेला छोड़ा और जब हमारे सामने तेल और गैस का संकट आया तो फिर हमें उसी ईरान से बात करनी पड़ी। जिसे हमने अकेला छोड़ दिया था । पूरी दुनिया के देशों को समझना होगा कि अमेरिका विश्व शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा है। अगर अमेरिका की दादागिरी को नहीं रोका गया तो दुनिया में लोकतंत्र खतरे में आ जाएगा । इस दुनिया के सभी देशों की जिम्मेदारी है कि इस युद्ध को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास करें । युद्ध में कीमत महिलाओं, बच्चों को चुकानी पड़ती है। जैसा इस युद्ध में भी हुआ अमेरिका और इजराईल ने ईरान के बच्चियों के एक प्राथमिक स्कूल पर हमला कर दिया जिसमें लगभग एक सौ साठ बच्चियों की मौत हो गई। इसलिए भारत सहित दुनिया के सभी देशों को अमेरिका की दादागिरी खत्म करने और विश्व में शांति स्थापित हो, इसके लिए प्रयास करने चाहिए ।

**-डॉ. शहाबुद्दीन खान**

# उवैस अल-क़रनी 'आशिक-ए-रसूल'

हज़रत उवैस अल-क़रनी (रह.) जिन्हें हज़रत ओवैस अल करनी भी कहा जाता है, इस्लामी इतिहास की एक अत्यंत सम्मानित शख्सियत हैं, जिन्हें उनकी माता के प्रति अगाध भक्ति और पैगंबर मुहम्मद (सल्ल.) के प्रति उनके रूहानी प्रेम के लिए जाना जाता है। उन्हें 'खैर-उल-तबीईन' (तबीईन में सबसे उत्तम) का खिताब स्वयं पैगंबर हज़रत मुहम्मद (सल्ल.) द्वारा दिया गया था। उवैस अल करनी का जन्म यमन के करन (Qaran) नामक गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम आमिर था, जिनका इंतकाल हज़रत उवैस के बचपन में ही हो गया था। इनका पालन-पोषण इनकी माता ने किया। वह एक साधारण जीवन व्यतीत करते थे और अक्सर ऊंट चराने का काम करते थे। उन्हें 'बरस' (सफेद दाग) की बीमारी थी। एक रिवायत के अनुसार, उन्होंने अल्लाह से दुआ की और वह ठीक हो गए, सिवाय एक सिक्के (दिरहम) के बराबर निशान के, जो पैगंबर साहब की भविष्यवाणी की पहचान बना। हज़रत उवैस ने पैगंबर मुहम्मद (सल्ल.) का दौर पाया और उन पर ईमान लाए, लेकिन वह कभी उनसे शारीरिक रूप से(रुबरु) मिल नहीं सके। इसका मुख्य कारण उनकी वृद्ध और दृष्टिहीन माता की सेवा थी, जिन्हें वह अकेला छोड़कर मदीना नहीं जा सकते थे, चूँकि उन्होंने पैगंबर साहब को अपनी आँखों से नहीं देखा था, इसलिए उन्हें 'सहाबी' नहीं बल्कि 'तबीईन' (सहाबा के बाद की पीढ़ी) कहा जाता है। हालाँकि, पैगंबर मुहम्मद (सल्ल.) ने उन्हें सभी तबीईन में सबसे श्रेष्ठ बताया। पैगंबर मुहम्मद (सल्ल.) के साथ उनका गहरा रूहानी संबंध था। बिना मिले ही पैगंबर (सल्ल.) अक्सर यमन की ओर चेहरा करके फरमाते थे कि "मुझे यमन की ओर से रहमान की खुशबू आती है।" पैगंबर मुहम्मद (सल्ल.) ने हज़रत उमर और हज़रत अली (रज़ि.) को वसीयत की थी कि जब तुम उवैस से मिलो, तो उनसे अपने लिए और पूरी उम्मत के लिए मगफिरत (क्षमा) की दुआ करवाना। पैगंबर मुहम्मद (सल्ल.) ने फ़रमाया था कि उवैस की दुआ में इतनी ताक़त है कि उनकी शफ़ाअत (सिफ़ारिश) से "रबीअ और मुज़र" (अरब के दो बड़े कबीले) के कबीलों की भेड़ों के बालों के बराबर लोगों को जन्नत में दाखिला मिलेगा।

पैगंबर साहब के दुनिया से रुखसत होने के कई सालों बाद, हज़रत उमर के खिलाफत के दौर में, यमन के काफिलों में उनकी तलाश की गई। हज़रत उमर और हज़रत अली (रज़ि.) ने उन्हें पहचाना और पैगंबर का सलाम पहुँचाया।हज़रत उमर ने उनसे पूछा, "आपने हमें क्यों नहीं पहचाना?" तो उन्होंने कहा, "मैं तो अपने अंदर उस खुदा को ढूंढने में इतना मशरूफ था कि बाहर किसी चेहरे पर नज़र ही नहीं गई।" उवैस क़रनी ने उनकी गुजारिश पर उम्मत के लिए दुआ की। दांतों का वाकया: एक मशहूर रिवायत के अनुसार, जब उवैस क़रनी को पता चला कि उहुद की जंग में पैगंबर मुहम्मद (सल्ल.) का एक दांत मुबारक शहीद हो गया है, तो पैगंबर साहब के प्रति अगाध प्रेम में उन्होंने अपने एक-एक करके सारे दांत तोड़ दिए क्योंकि उन्हें पता नहीं था कि पैगंबर (सल्ल.) का कौन सा दांत शहीद हुआ है। उवैस अल-क़रनी बाद में कूफ़ा (इराक) चले गए थे। वह हज़रत अली (रज़ि.) के प्रति निष्ठावान थे और 657 ईस्वी में 'जंग-ए-सिफिन' के दौरान लड़ते हुए शहीद हुए। जंग-ए-सिफ़ीन में जब वह हज़रत अली (रज़ि.) की तरफ से लड़ने आए, तो लोगों ने देखा कि उनके जिस्म पर ज़िरह (कवच) नहीं था। वह बिना किसी डर के दुश्मन के सामने डटे रहे। जब वह शहीद हुए, तो उनके जिस्म पर अनगिनत ज़ख्म थे। हज़रत अली (रज़ि.) ने स्वयं उनकी नमाज़-ए-जनाज़ा पढ़ाई और उनके बारे में भावुक शब्द कहे कि अल्लाह की मोहब्बत पाने के लिए किसी पद, पैसे या बड़ी पदवी की ज़रूरत नहीं है। बस एक साफ दिल, माँ की दुआ और सच्चा इखलास काफी है। बताया जाता है कि रक्का (अब सीरिया में) में उवैस अल-क़रनी मस्जिद उनका दफन स्थल है और ओमान के सलालाह में भी उनसे जुड़ी एक जियारत मौजूद है। तुर्की के सिइर्त (Siirt) प्रांत में भी उनकी एक बहुत प्रसिद्ध दरगाह है। वहां के लोग उन्हें अपना आध्यात्मिक संरक्षक मानते हैं। हज़रत उवैस अल-क़रनी (रह.) का जीवन केवल इबादत तक सीमित नहीं था, बल्कि उनकी शिक्षाएं और उनके जीवन की घटनाएं आज भी रूहानियत और नैतिकता का बड़ा सबक देती हैं। उनके जीवन की कुछ प्रमुख विशेष घटनाएं और अनमोल शिक्षाएं दी गई हैं :- वफ़ादारी और इश्क़ का बेमिसाल उदाहरण जब हज़रत उमर और हज़रत अली (रज़ि.) उनसे मिले, तो उन्होंने देखा कि उवैस अल-क़रनी के पास दुनिया की कोई सुख-सुविधा नहीं थी। वह बहुत ही साधारण और फकीरी की ज़िंदगी जी रहे थे। उन्होंने हज़रत उमर से एक बहुत ही गहरी बात कही थी: "अगर आप अल्लाह को जानते हैं, तो आपको किसी और को जानने की ज़रूरत नहीं है। और अगर अल्लाह आपको जानता है, तो इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि दुनिया में आपको कोई जानता है या नहीं।" तन्हाई में सुकून: उन्होंने कहा था कि "अल्लाह की इबादत में वह मिठास है जो लोगों के साथ रहने में नहीं है।" "तकिए के नीचे मौत को और अपनी नज़रों के सामने जन्नत-दोज़ख को रखो।" जब हज़रत उमर र. अ. ने उनसे पूछा कि वह इतने गुमनाम क्यों रहते हैं, तो उन्होंने जवाब दिया कि "मैं लोगों की भीड़ में नहीं, बल्कि खुदा की याद में मशहूर होना चाहता हूँ।" उनका मानना था कि इंसान को कल की चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि जिस खुदा ने आज खिलाया है, वह कल भी खिलाएगा। एक बार उनके पास कुछ लोग आए और उन्हें उनकी गरीबी पर तरस खाते हुए कुछ दान देना चाहा। उवैस अल-क़रनी ने मुस्कुराते हुए अपने पास मौजूद दो दिरहम (सिक्के) दिखाए और कहा, "ये मेरे पास काफी हैं। जब तक ये खर्च नहीं हो जाते, मुझे और की ज़रूरत नहीं।" उन्होंने सिखाया कि असली अमीरी दिल का सुकून है, धन का ढेर नहीं। इस्लाम में माता-पिता की सेवा का बहुत ऊंचा मुकाम है, लेकिन उवैस अल-क़रनी ने इसे एक नई ऊंचाई दी। उन्होंने साबित किया कि अल्लाह की रज़ा माता-पिता की सेवा में छुपी है।

उनकी माँ के प्रति इसी निष्ठा ने उन्हें बिना पैगंबर को देखे भी 'सर्वश्रेष्ठ तबीईन' बना दिया। हज़रत उवैस अल-क़रनी (रह.) का अपनी माँ के साथ का वाकया रूहानियत और वफ़ादारी की एक ऐसी मिसाल है, जो सदियों से सुनाई जाती रही है। यह घटना दर्शाती है कि कैसे एक बेटे की तड़प और एक माँ की दुआ ने उन्हें वह मुकाम दिया जो बड़े-बड़े इबादत गुज़ारों को नसीब नहीं हुआ। हज़रत उवैस के दिल में पैगंबर मुहम्मद (सल्ल.) के दर्शन की तड़प बहुत गहरी थी। वह अक्सर अपनी माँ से मदीना जाने की इजाज़त मांगते, लेकिन उनकी माँ बहुत वृद्ध, कमज़ोर और दृष्टिहीन थीं। उनके पास उवैस के अलावा सेवा करने वाला कोई न था। उवैस की तड़प देखकर एक दिन उनकी माँ का दिल पिघल गया।

उन्होंने इजाज़त तो दी, लेकिन एक शर्त रखी: "बेटा, तुम मदीना जाओ, लेकिन याद रहे कि पैगंबर साहब के घर जाना, अगर वह घर पर मिलें तो उनसे मुलाकात करना, लेकिन अगर वह घर पर न हों, तो इंतज़ार मत करना और तुरंत वापस आ जाना, क्योंकि मैं तुम्हारे बिना ज़्यादा देर नहीं रह सकती।" हज़रत उवैस महीनों का सफर तय करके यमन से मदीना पहुँचे। जब वह पैगंबर (सल्ल.) के घर के दरवाज़े पर पहुँचे, तो पता चला कि आप (सल्ल.) किसी युद्ध या यात्रा पर शहर से बाहर गए हुए हैं। उस समय हज़रत उवैस के सामने दो रास्ते थे—या तो वह मदीना में रुककर पैगंबर साहब का इंतज़ार करते और अपनी ज़िंदगी की सबसे बड़ी हसरत पूरी करते, या फिर अपनी माँ को दिया हुआ वचन निभाकर तुरंत लौट जाते। हज़रत उवैस ने अपनी माँ को दिए वचन (वादे) को तरजीह दी। उन्होंने पैगंबर साहब की पत्नी हज़रत आयशा (रज़ि.) को अपना सलाम दिया और बिना पैगंबर साहब से मिले, भारी मन के साथ तुरंत वापस यमन लौट गए।

जब पैगंबर मुहम्मद (सल्ल.) वापस लौटे, तो उन्होंने घर में प्रवेश करते ही फ़रमाया "आयशा! मुझे इस घर में रहमान की खुशबू आ रही है। क्या यहाँ कोई आया था?" हज़रत आयशा र अ ने बताया कि यमन से 'उवैस' नाम का एक व्यक्ति आया था जो आपसे मिलने की तड़प रखता था, लेकिन अपनी माँ के वादे की वजह से रुक न सका।

तब पैगंबर (सल्ल.) ने मुस्कुराकर सहाबा से फ़रमाया कि उवैस ने अपनी माँ की सेवा के कारण वह दर्जा पा लिया है कि अब उसे मुझसे मिलने की ज़रूरत नहीं रही, वह रूहानी तौर पर मेरे पास ही है। हज़रत उवैस अल-क़रनी (रह.) को सूफ़ीवाद (Tasawwuf) में एक बहुत ही ऊंचा और विशेष स्थान प्राप्त है। उनके नाम पर सूफ़ी मत में एक पूरा सिलसिला या पद्धति चलती है जिसे 'उवैसी सिलसिला' कहा जाता है।उवैस अल-क़रनी को "इश्क-ए-इलाही" का प्रतीक माना जाता है। सूफ़ियों के अनुसार, उनका संबंध सीधे पैगंबर के दिल से था, भले ही उनके बीच सैकड़ों मील की दूरी थी। यह साबित करता है कि रूहानी मोहब्बत के लिए जिस्मानी मौजूदगी जरूरी नहीं है। उवैस क़रनी र अ फरमाते थे कि दुनिया एक सराय (मुसाफिरखाना) की तरह है। "यह न देखो कि गुनाह कितना छोटा है, बल्कि यह देखो कि तुम किसकी नाफरमानी कर रहे हो।"

**-फ़ज़लुर्रहमान**
**सहायक सचिव (सेवा निवृत्त)**

# रोज़ा क़िस्त पाँच...

इसलिए अगर वे अपने अमल से अपने ईमान का सुबूत दे दें तब तो तुम्हारे दीनी भाई हैं, वरना उनको भाई न समझो और उनसे जंग बन्द न करो। फिर आगे चलकर इसी सूरा में फ़रमाया- "मोमिन मर्द और मोमिन औरतें एक-दूसरे के वली (मुहाफ़िज़) व मददगार हैं, और इन मोमिन मर्दों और औरतों की खूबियाँ ये हैं कि वे नेकी का हुक्म देते हैं, बुराई से रोकते हैं, नमाज़ क़ायम करते हैं, ज़कात देते हैं और खुदा और रसूल की इताअत करते हैं, ऐसे ही लोगों पर अल्लाह रहमत करेगा।"(कुरआन, सूरा-9 तौबा, आयत-71) सुन लिया आपने ! कोई शख़्स मुसलमानों का दीनी भाई बन ही नहीं सकता जब तक कि वह ईमान का इक़रार करके अमलन नमाज़ और ज़कात की पाबन्दी न करे।

ईमान, नमाज़ और ज़कात ये तीन चीजें मिलकर ईमानवालों की जमाअत बनाती हैं। जो लोग इन तीनों के पाबन्द हैं, वे इस पाक जमाअत के अन्दर हैं और उन ही के बीच दोस्ती, मुहब्बत और मददगारी का ताल्लुक़ है। और जो इनके पाबन्द नहीं हैं, वे इस जमाअत के बाहर हैं, भले ही वे नाम के मुसलमान ही क्यों न हों। उनसे दोस्ती, मुहब्बत और मदद का ताल्लुक़ रखने का मतलब यह है कि तुमने अल्लाह के क़ानून को तोड़ दिया और अल्लाह की पार्टी को तितर-बितर कर दिया। फिर तुम दुनिया में ग़ालिब होकर रहने की उम्मीद कैसे कर सकते हो? इस हक़ीक़त को और आगे देखिए । अल्लाह की मदद की शर्तें "अल्लाह ज़रूर उनकी मदद करेगा जो उसकी मदद करेंगे, और अल्लाह ज़बरदस्त ताक़तवाला और सबपर ग़ालिब है। ये वे लोग हैं जिनको अगर हम ज़मीन में हुकूमत दें तो ये नमाज़ क़ायम करेंगे, ज़कात देंगे, नेकी का हुक्म देंगे और बुराई से रोकेंगे, और सब चीज़ों का अंजाम अल्लाह के हाथ में ही है।" (कुरआन, सूरा-22 हज, आयतें-40, 41) इन आयतों में मुसलमानों को भी वही नोटिस दिया गया है जो बनी-इसराईल को दिया गया था।

अभी आपको सुना चुका हूँ कि अल्लाह तआला ने बनी-इसराईल को क्या नोटिस दिया था। उनसे साफ़ फ़रमा दिया था कि मैं उसी वक़्त तक तुम्हारे साथ है जब तक कि तुम नमाज़ पढ़ते और ज़कात देते रहोगे और मेरे नबियों के मिशन में उनका साथ दोगे, यानी मेरे क़ानून को दुनिया में लागू करने की कोशिश करते रहोगे। ज्योंही तुमने इस काम को छोड़ा, मैं अपना हाथ तुम्हारी मदद से खींच लेंगा। ठीक यही बात अल्लाह ने मुसलमानों से भी फ़रमाई है।

उनसे साफ़ कह दिया है कि अगर ज़मीन में ताक़त हासिल करके तुम नमाज़ क़ायम करोगे और ज़कात दोगे और नेकियाँ फैलाओगे और बुराइयों को मिटाओगे तब तो मैं तुम्हारा मददगार हूँ, और जिसका मैं मददगार हूँ उसे कौन दबा सकता है। लेकिन तुमने अगर ज़कात से मुँह फेरा और ज़मीन में हुकूमत हासिल करके नेकियों के बजाय बुराइयाँ फैलाईं और बुराइयों के बजाय नेकियों को मिटाना शुरू किया और मेरा कलिमा बुलन्द करने के बजाय अपना कलिमा बुलन्द करने लगे और टैक्स वुसूल करके अपने लिए ज़मीन पर जन्नतें बनाने ही को ज़मीन की विरासत का मक़सद समझ लिया, तो सुन रखो कि मेरी मदद तुम्हारे साथ न होगी, फिर शैतान ही तुम्हारा मददगार रह जाएगा। मुसलमानों को चेतावनी अल्लाहु अकबर ! कितना बड़ा इबरत का मक़ाम है! जो धमकी बनी-इसराईल को दी गई थी, उसको उन्होंने सिर्फ़ ज़बानी धमकी समझा और उसके ख़िलाफ़ काम करके अपना अंजाम देख लिया कि आज ज़मीन पर मारे-मारे फिर रहे हैं, जगह-जगह से निकाले जा रहे हैं और कहीं ठिकाना नहीं पाते।' करोड़ों रुपयों के ख़त्ते उनके पास भरे पड़े हैं। दुनिया की सबसे ज़्यादा दौलतमन्द क़ौम हैं, मगर ये रुपये उनके किसी काम नहीं आते।

नमाज़ के (1) जिस वक़्त यह खुतबा दिया गया था (1938 ई.) उस वक़्त दुनिया में कहीं यहूदियों का आज़ाद मुल्क नहीं था। अब 1942 ई. से फ़लस्तीन की ज़मीन हड़पकर 'इसराईल' नाम से यहूदी मुल्क क़ायम किया गया है जो सुपर पावर (Super Power) के साए में पल रहा है। अपने नाजाइज़ वुजूद की वजह से हमेशा खौफ़ में मुब्तला है और अपनी बेहयाई की हरकतों से पूरी दुनिया में नफ़रत की निगाह से देखा जाता है।

बजाय बदकारी और ज़कात के बजाय सूदखोरी का गन्दा तरीक़ा इख्तियार करके उन्होंने खुद भी खुदा की लानत अपने ऊपर लाद ली और अब इस लानत को लिए हुए ताऊन (प्लेग) के चूहों की तरह दुनिया भर में उसे फैलाते फिर रहे हैं। फिर यही धमकी मुसलमानों को दी गई और मुसलमानों ने इसकी कुछ परवाह न करके नमाज़ और ज़कात से ग़फ़लत की और खुदा की दी हुई ताक़त को नेकियाँ फैलाने और बुराइयों को मिटाने में इस्तेमाल करना छोड़ दिया। इसका नतीजा देख लीजिए कि हुकूमत के तख़्त से उतारकर फेंक दिए गए, दुनिया भर में ज़ालिमों के ज़रिए सताए जा रहे हैं और धरती पर हर जगह कमज़ोर दबे हुए हैं। नमाज़ और ज़कात को छोड़ देने का बुरा नतीजा तो देख चुके थे। अब उनमें एक जमाअत ऐसी पैदा हुई है जो मुसलमानों को बेहयाई, फ़श और बदकारी में फँसाना चाहती है और उनसे कह रही है कि तुम्हारी ग़रीबी का इलाज यह है कि बैंक और इंश्योरेन्स कम्पनियाँ क़ायम करो और सूद खाना शुरू कर दो। खुदा की क़सम ! अगर उन्होंने यह किया तो वही रुसवाई और बेइज़्ज़ती उनपर छाकर रहेगी, जिसके यहूदी शिकार हुए हैं और ये भी खुदा की उस लानत में गिरफ्तार हो जाएँगे जिसने बनी-इसराईल को घेर रखा है।

ज़कात न देनेवालों का अंजाम मुसलमान भाइयो ! अगले खुतबे में मैं आपको बताऊँगा कि ज़कात क्या चीज़ है। कितनी बड़ी ताक़त अल्लाह ने इस चीज़ में भर दी है, और आज जिस खुदा की रहमत को मुसलमान एक मामूली चीज़ समझ रहे हैं, वह हक़ीक़त में कितनी बड़ी बरकतें रखती है। आज के खुतबे में मेरा मक़सद आपको सिर्फ़ यह बताना था कि नमाज़ और ज़कात का इस्लाम में क्या दर्जा है। बहुत-से मुसलमान यह समझते हैं और उनके मौलवी उनको रात-दिन यह इत्मीनान दिलाते रहते हैं कि नमाज़ न पढ़कर और ज़कात न देकर भी वे मुसलमान रहते हैं।मगर कुरआन इसे साफ़ लफ़्ज़ों में ग़लत कहता है। कुरआन के मुताबिक़ कलिमा-ए-तय्यिबा का इक़रार ही बेमानी है अगर आदमी उसके सुबूत में नमाज़ और ज़कात का पाबन्द न हो। इसी बुनियाद पर हज़रत अबू-बक्र (रजि.) ने ज़कात से इनकार करनेवालों को काफ़िर समझकर उनके खिलाफ़ तलवार उठाई थी, जैसा कि मैं अभी आपसे बयान कर चुका है। सहाबा (रजि.) को शुरू में शक था कि क्या वह मुसलमान जो खुदा और रसूल (सल्ल.) का इक़रार करता है और नमाज़ भी पढ़ता है, उन लोगों के साथ शामिल किया जा सकता है या नहीं जिनपर तलवार उठाने का हुक्म है। मगर जब हज़रत अबू-बक्र (रजि.), जिनको अल्लाह ने नुबूवत के मक़ाम के क़रीब दर्जा दिया था, अपनी बात पर अड़ गए और उन्होंने इसरार के साथ फ़रमाया कि खुदा की क़सम ! अगर ये लोग उस ज़कात में से जो अल्लाह के रसूल (सल्ल.) के ज़माने में दिया करते थे, ऊँट बाँधने की एक रस्सी भी रोकेंगे तो मैं उनपर तलवार उठाऊँगा, तो आख़िरकार तमाम सहाबा (रजि.) के दिलों को अल्लाह ने हक़ के लिए खोल दिया और सबने यह बात मान ली कि ज़कात से इनकार करनेवालों से जिहाद करना चाहिए। कुरआन मजीद तो साफ़ कहता है कि ज़कात न देना उन मुशरिकों का काम है जो आख़िरत का इनकार करते हैं।"तबाही है उन मुशरिकों के लिए जो ज़कात नहीं देते और आख़िरत का इनकार करनेवाले हैं!"(कुरआन, सूरा-41 हा-मीम सजदा, आयतें-6, 7) मुसलमान भाइयो ! पिछले खुतबे में मैं बयान कर चुका हूँ कि नमाज़ के बाद इस्लाम का सबसे बड़ा रुक्न ज़कात है। और यह इतनी बड़ी चीज़ है कि जिस तरह नमाज़ से इनकार करनेवाले को काफ़िर ठहराया गया है, उसी तरह ज़कात से इनकार करनेवालों को भी न सिर्फ़ काफ़िर ठहराया गया, बल्कि सहाबा किराम (रजि.) ने एक राय होकर उनके ख़िलाफ़ जिहाद किया।

**जारी.....**

# इंडियन आर्मी में अग्निवीर भर्ती 2026 के लिए आवेदन शुरू

इंडियन आर्मी की ओर से अग्निवीर भर्ती 2025 के लिए आज से आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत की गई है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट joinindianarmy.nic.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। अग्निपथ स्कीम के तहत चयनित अग्निवीरों की सेवा अवधि चार वर्ष होगी। चार साल बाद 75% अग्निवीरों को सेवा से मुक्त कर दिया जाएगा। जबकि 25% को स्थायी नियुक्ति दी जाएगी। अग्निवीर परीक्षा 1 से 15 जून 2026 को आयोजित की जाएगी।

**आवेदन शुरू :**
13 फरवरी से 01 अप्रैल 2026 तक

**एज लिमिट :**
अग्निवीर जीडी/टेक्निकल/असिस्टेंट/ट्रेड्समैन : 17.5 से 22 साल
सोल्जर टेक्निकल: 17.5 से 23 वर्ष
सिपाही फार्मा: 19-25 वर्ष
JCO धार्मिक टीचर: 25-24 साल।
आयुसीमा की गणना 1 जुलाई 2027 के आधार पर की जाएगी।

**सिलेक्शन प्रोसेस :**
फिजिकल टेस्ट
मेडिकल एग्जाम
मेरिट लिस्ट जारी

**सैलरी :**
पहले वर्ष 30 हजार रुपए सैलरी मिलेगी, जो चौथे साल तक बढ़कर 40 हजार रुपए हो जाएगी। वेतन का 30% हिस्सा सेवा निधि में जमा होगा, जिसमें सरकार भी समान राशि जोड़ेगी। चार साल बाद करीब 11.71 लाख रुपये का सेवा निधि पैकेज (ब्याज सहित) मिलेगा।

**ऐसे करें आवेदन :**
ऑफिशियल वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर जाएं।
होम पेज पर दिए गए JCO/OR/Agniveer / Apply/ Login पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन के बाद यूजर आईडी और पासवर्ड की मदद से लॉग इन करें।
अपना फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

# MPPSC ने 949 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन किए शुरू

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) ने असिस्टेंट प्रोफेसर के 949 पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 27 फरवरी, 2026 से शुरू किए जाएंगे। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट mponline.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

**आवेदन शुरू :**
27 फरवरी से 26 मार्च 2026 तक

**एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :**
संबंधित विषय में कम से कम 55% अंकों या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से समकक्ष ग्रेड के साथ मास्टर डिग्री होनी चाहिए।
आवेदकों ने UGC, CSIR, या ICAR द्वारा आयोजित NET, या राज्य द्वारा आयोजित SET/SLET परीक्षा पास की हो।
यूजीसी नियमों के अनुसार, पीएचडी होल्डर्स को NET/SET/SLET से छूट दी गई है।

**आयु सीमा :**
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 40 साल
मध्यप्रदेश सरकार के नियमों के अनुसार रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को उम्र में छूट दी जाएगी।

**सैलरी :**
57,700 रुपए प्रतिमाह

**सिलेक्शन प्रोसेस :**
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू

**फीस :**
मप्र के अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर) : 250 रुपए
जनरल, राज्य के बाहर के उम्मीदवार : 500 रुपए

**जरूरी डॉक्यूमेंट्स :**
मार्कशीट
एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट
कास्ट/EWS/PwD सर्टिफिकेट
पासपोर्ट साइज फोटो
NOC (अगर जॉब में हैं)
ओरिजिनल और सेल्फ-अटेस्टेड कॉपी

**ऐसे करें आवेदन :**
ऑफिशियल वेबसाइट mppsc.mp.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर Apply Online सेक्शन पर क्लिक करें।
भर्ती से संबंधित आवेदन लिंक पर क्लिक करें।
अपनी कुछ डिटेल्स भरकर रजिस्ट्रेशन आईडी क्रिएट करें।
रजिस्ट्रेशन करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

# प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

## (पिछले अंक से जारी)

## (रणनीति)

161. 'तंज़ीम-ए-खान' किसने बनवाई थी?
(A) अकबर
(B) अलाउद्दीन खिलजी
(C) शाहजहाँ (D) औरंगजेब
उत्तर: (B)
व्याख्या: अलाउद्दीन खिलजी ने सैनिकों के वेतन और पद के अनुसार रजिस्टर प्रणाली 'तंज़ीम-ए-खान' शुरू की थी।

162. औरंगजेब ने किस सिख गुरु को मृत्युदंड दिया था?
(A) गुरु नानक
(B) गुरु तेग बहादुर
(C) गुरु अर्जुन देव
(D) गुरु हरगोबिंद
उत्तर: (B)
व्याख्या: गुरु तेग बहादुर को औरंगजेब ने धार्मिक उत्पीड़न के विरुद्ध विद्रोह के कारण मृत्युदंड दिया।

163. किस मुगल शासक ने 'जज़िया कर' पुनः लागू किया?
(A) अकबर (B) जहाँगीर
(C) शाहजहाँ (D) औरंगजेब
उत्तर: (D)
व्याख्या: औरंगजेब ने 1679 में जज़िया कर पुनः लागू किया, जिसे अकबर ने समाप्त किया था।

164. शाहजहाँ ने कौन-सा नगर बसाया था?
(A) आगरा (B) फतेहपुर सीकरी
(C) शाहजहाँनाबाद (D) लाहौर
उत्तर: (C)
व्याख्या: शाहजहाँ ने 1648 में दिल्ली में शाहजहाँनाबाद नगर बसाया था।

165. 'दीवान-ए-खास' क्या था?
(A) सैनिक परिषद
(B) निजी दरबार
(C) राजकोष (D) न्यायालय
उत्तर: (B)
व्याख्या: 'दीवान-ए-खास' मुगल दरबार का वह कक्ष था जहाँ सम्राट निजी रूप से बैठक करते थे।

166. विजयनगर साम्राज्य की स्थापना कब हुई थी?
(A) 1336 ई. (B) 1347 ई.
(C) 1399 ई. (D) 1456 ई.
उत्तर: (A)
व्याख्या: विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में हरिहर और बुक्का ने संगम वंश के अधीन की थी।

167. विजयनगर की राजधानी कौन-सी थी?
(A) हम्पी (B) वारंगल
(C) मदुरै (D) गोलकुंडा
उत्तर: (A)
व्याख्या: हम्पी विजयनगर साम्राज्य की राजधानी थी, जो तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थित थी।

168. विजयनगर साम्राज्य का अंतिम शासक वंश कौन-सा था?
(A) संगम (B) तुलुव
(C) सालुव (D) अराविडु
उत्तर: (D)
व्याख्या: अराविडु वंश विजयनगर साम्राज्य का अंतिम वंश था, जिसका संस्थापक तिरुमला था।

169. कृष्णदेव राय किस वंश से संबंधित थे?
(A) संगम (B) सालुव
(C) तुलुव (D) अराविडु
उत्तर: (C)
व्याख्या: कृष्णदेव राय तुलुव वंश के महान शासक थे, जिन्होंने 1509 से 1529 तक शासन किया।

170. कृष्णदेव राय ने कौन-सी प्रसिद्ध पुस्तक लिखी थी?
(A) अमुक्तमाल्यदा
(B) राजतरंगिणी
(C) रामचरितमानस
(D) नीतिशतक
उत्तर: (A)
व्याख्या: कृष्णदेव राय ने तेलुगु भाषा में 'अमुक्तमाल्यदा' नामक ग्रंथ लिखा था।

171. विजयनगर साम्राज्य की अंतिम लड़ाई कौन-सी थी?
(A) रौप्य युद्ध
(B) तालीकोट की लड़ाई
(C) खानवा का युद्ध
(D) पानीपत का युद्ध
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1565 ई. में तालीकोट के युद्ध में विजयनगर साम्राज्य बीजापुर, गोलकुंडा आदि मुस्लिम राज्यों से पराजित हुआ।

172. बहमनी साम्राज्य की स्थापना कहाँ हुई थी?
(A) गुलबर्गा (B) बीदर
(C) बीजापुर (D) दाउलताबाद
उत्तर: (A)
व्याख्या: बहमनी साम्राज्य की स्थापना 1347 ई. में गुलबर्गा को राजधानी बनाकर अलाउद्दीन हसन बहमन शाह ने की थी।

173. बहमनी साम्राज्य की स्थापना किसके शासनकाल में हुई?
(A) मोहम्मद बिन तुगलक
(B) फिरोजशाह तुगलक
(C) सिकंदर लोदी (D) बाबर
उत्तर: (A)
व्याख्या: मोहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल (1325–1351) में बहमनी साम्राज्य ने दिल्ली से स्वतंत्रता प्राप्त की थी।

174. बहमनी साम्राज्य की राजधानी बाद में कहाँ स्थानांतरित की गई?
(A) गुलबर्गा से बीदर
(B) बीदर से बीजापुर
(C) गुलबर्गा से दाउलताबाद
(D) बीदर से गोलकुंडा
उत्तर: (A)
व्याख्या: बाद में बहमनी सुल्तानों ने राजधानी गुलबर्गा से बीदर स्थानांतरित कर दी।

175. बहमनी साम्राज्य का विभाजन कितने राज्यों में हुआ था?
(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) सात
उत्तर: (C)
व्याख्या: बहमनी साम्राज्य के पतन के बाद यह पाँच दक्कनी राज्यों में विभाजित हुआ — बीजापुर, गोलकुंडा, अहमदनगर, बेरार और बीदर।

**-डॉ. एम . ए. खान**
**प्रोफेसर (भूगोल**

# ऑर्डिनेंस फैक्ट्री, इटारसी में 265 पदों पर निकली भर्ती

इटारसी की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में 265 पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवारों को ऑफलाइन आवेदन करना होगा। इसका कॉन्ट्रैक्ट 1 से 4 साल तक के लिए हो सकता है।

**आवेदन शुरू :**
07 मार्च से 27 मार्च 2026 तक

**एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :**
NCTVT या NCVET द्वारा मान्यता प्राप्त नेशनल अप्रेंटिसशिप सर्टिफिकेट
प्राइमरी ट्रेड के लिए अटेंडेंट ऑपरेटर केमिकल प्लांट जरूरी
IMCP, MMCP, LACP, PPO, फिटर जनरल, मशीनिस्ट, टर्नर, शीट मेटल वर्कर, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, बॉइलर अटेंडेंट, मैकेनिक इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडिशनिंग मैकेनिक भी आवेदन कर सकते हैं।

**एज लिमिट :**
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
ओबीसी : 3 साल की छूट
एससी, एसटी : 5 साल की छूट

**सिलेक्शन प्रोसेस :**
मेरिट बेसिस पर

**सैलरी :**
19,900 रुपए प्रतिमाह
इसके अलावा डीए भी मिलेगा।

**ऐसे करें आवेदन :**
ऑफिशियल वेबसाइट ddpdoo.gov.in पर जाएं।
फॉर्म में मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।

# रेलवे में अप्रेंटिस के 2,801 पदों पर निकली भर्ती

दक्षिण मध्य रेलवे के आरआरसी (RRC SCR) ने अप्रेंटिस पदों पर 2,801 भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 11 अप्रैल तय की गई है।

**आवेदन शुरू :**
12 मार्च से 11 अप्रैल 2026 तक

**एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :**
कम से कम 50% अंकों के साथ 10वीं पास।
संबंधित ट्रेड में आईटीआई सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।

**एज लिमिट :**
न्यूनतम : 15 साल
अधिकतम : 24 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में रेलवे नियमों के अनुसार छूट दी जाएगी।

**स्टाइपेंड :**
8,000 - 12,000 रुपए प्रतिमाह

**फीस :**
सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 100 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, महिला, ट्रांसजेंडर : निःशुल्क

**सिलेक्शन प्रोसेस :**
मेरिट बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

**ऐसे करें आवेदन :**
ऑफिशियल वेबसाइट scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर Apprentice Recruitment 2026 से संबंधित लिंक पर क्लिक करें।
अब New Registration पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें।
रजिस्ट्रेशन के बाद एप्लीकेशन नंबर और पासवर्ड से लॉगिन करें।
आवेदन फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारी भरें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
अपनी कैटेगरी के अनुसार फीस का ऑनलाइन भुगतान करें।
फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

# AI और ऑनलाइन शिक्षा: आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस से कोर्स बनाकर कमाई और करियर का नया रास्ता

आज का दौर तेज़ी से बदल रहा है। टेक्नोलॉजी ने न सिर्फ़ काम करने के तरीके बदले हैं, बल्कि सीखने और सिखाने का अंदाज़ भी पूरी तरह बदल दिया है। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (AI) और ऑनलाइन शिक्षा ने मिलकर एक ऐसा रास्ता खोल दिया है, जहाँ कोई भी व्यक्ति अपनी जानकारी, हुनर और अनुभव को ऑनलाइन कोर्स के ज़रिए दुनिया भर के लोगों तक पहुँचा सकता है। सबसे अच्छी बात यह है कि इससे न सिर्फ़ कमाई होती है, बल्कि एक मजबूत और टिकाऊ करियर भी बनाया जा सकता है।

**AI टूल्स क्या हैं और ये कैसे मदद करते हैं?-**
AI टूल्स ऐसे डिजिटल साधन हैं जो इंसानी सोच और काम को आसान बनाते हैं। जैसे ChatGPT, Synthesia, Canva AI, Pictory आदि। ChatGPT की मदद से आप कोर्स की स्क्रिप्ट, लेक्चर नोट्स, क्विज़ और असाइनमेंट तैयार कर सकते हैं। Synthesia जैसे टूल्स से बिना कैमरे और स्टूडियो के AI अवतार के ज़रिए वीडियो लेक्चर बनाए जा सकते हैं। Canva AI से प्रेज़ेंटेशन, थंबनेल और ग्राफ़िक्स तैयार करना बेहद आसान हो जाता है। पहले जहाँ कोर्स बनाने के लिए बड़ी टीम, महंगा कैमरा और एडिटिंग सॉफ्टवेयर चाहिए होता था, वहीं आज AI की मदद से अकेला इंसान भी प्रोफेशनल क्वालिटी का कोर्स बना सकता है।

**किन विषयों पर ऑनलाइन कोर्स बनाए जा सकते हैं?-**
ऑनलाइन कोर्स के लिए विषयों की कोई कमी नहीं है। अगर आपके पास किसी भी क्षेत्र का बुनियादी ज्ञान या अनुभव है, तो आप उसे कोर्स में बदल सकते हैं। कुछ लोकप्रिय विषय इस प्रकार हैं:

**डिजिटल मार्केटिंग-**
SEO, सोशल मीडिया मार्केटिंग, फेसबुक-इंस्टाग्राम एड्स, कंटेंट मार्केटिंग जैसे टॉपिक्स की आज भारी डिमांड है। छोटे बिज़नेस से लेकर बड़े ब्रांड तक डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की तलाश में रहते हैं।

**फिटनेस और हेल्थ-**
योगा, वेट लॉस, होम वर्कआउट, न्यूट्रिशन गाइड जैसे कोर्स हमेशा चलते रहते हैं। अगर आप फिटनेस ट्रेनर हैं या इस फील्ड का अच्छा ज्ञान रखते हैं, तो ऑनलाइन कोर्स आपके लिए बेहतरीन विकल्प है।

**फोटोग्राफी और वीडियो एडिटिंग-**
मोबाइल फोटोग्राफी, DSLR बेसिक्स, Lightroom या Premiere Pro जैसे सॉफ्टवेयर सिखाने वाले कोर्स काफी लोकप्रिय हैं।

**पर्सनल डेवलपमेंट-**
टाइम मैनेजमेंट, कम्युनिकेशन स्किल्स, पब्लिक स्पीकिंग, करियर गाइडेंस जैसे विषयों पर भी लोग सीखना चाहते हैं।

**Udemy और Skillshare जैसे प्लेटफॉर्म क्यों चुनें?-**
Udemy और Skillshare दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म हैं। इन पर लाखों स्टूडेंट पहले से मौजूद हैं, इसलिए आपको अलग से ऑडियंस बनाने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। Udemy पर आप अपने कोर्स को एक तय कीमत पर बेच सकते हैं। Skillshare पर आपको देखे गए मिनट्स के हिसाब से कमाई होती है। इन प्लेटफॉर्म्स पर कोर्स अपलोड करना आसान है और पेमेंट सिस्टम भी भरोसेमंद होता है।

**AI की मदद से कोर्स बनाने की प्रक्रिया-**
विषय चुनें – ऐसा टॉपिक लें जिसमें आपकी पकड़ हो और जिसकी डिमांड हो। कोर्स आउटलाइन बनाएं – ChatGPT से पूरा सिलेबस और लेक्चर प्लान तैयार करवा सकते हैं। वीडियो रिकॉर्डिंग – Synthesia या स्क्रीन रिकॉर्डिंग टूल से वीडियो बनाएं। एडिटिंग और ग्राफ़िक्स – Canva AI और अन्य टूल्स से वीडियो को आकर्षक बनाएं। अपलोड और प्रमोशन – कोर्स को Udemy/Skillshare पर डालकर सोशल मीडिया के ज़रिए प्रमोट करें।

**कमाई और करियर की संभावनाएँ-**
ऑनलाइन कोर्स से कमाई एक दिन में नहीं होती, लेकिन यह लॉन्ग टर्म इनकम का ज़रिया बन सकता है। एक बार कोर्स बन जाने के बाद वह सालों तक बिकता रहता है। कई लोग महीने के हजारों से लेकर लाखों रुपये तक कमा रहे हैं। इसके अलावा, आपकी पहचान एक एक्सपर्ट के रूप में बनती है। आगे चलकर आपको कंसल्टिंग, फ्रीलांसिंग, ब्रांड डील्स और स्पीकिंग अवसर भी मिल सकते हैं। AI और ऑनलाइन शिक्षा ने सीखने-सिखाने की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। आज बिना बड़े निवेश के, सिर्फ़ अपने ज्ञान और AI टूल्स की मदद से कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन कोर्स बनाकर न सिर्फ़ कमाई कर सकता है, बल्कि एक सम्मानजनक और स्थायी करियर भी बना सकता है। अगर आप भी अपने हुनर को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं, तो यही सही समय है। AI को अपना साथी बनाइए और ऑनलाइन शिक्षा के इस नए युग में कदम रखिए।

# SSB में 1060 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी, 80 हजार से ज्यादा सैलरी

सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने कॉन्स्टेबल और हेड कॉन्स्टेबल के 1060 पदों पर भर्ती का ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी किया है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ssb.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती का विज्ञापन 21 से 27 मार्च 2026 के रोजगार समाचार में प्रकाशित किया गया है।

**आवेदन शुरू :**
21 मार्च से 20 अप्रैल 2026 तक

**एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :**
10वीं, 12वीं पास
संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा।

**एज लिमिट :**
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 27 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

**फीस :**
जनरल,ओबीसी,ईडब्ल्यूएस : 100 रुपए
अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति,पूर्व सैनिक, महिला : निःशुल्क
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

**सिलेक्शन प्रोसेस :**
फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट
फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट
रिटन एग्जाम
स्किल टेस्ट/टाइपिंग टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
डिटेल्ड मेडिकल एग्जामिनेशन

**सैलरी :**
21,700 - 81,100 रुपए प्रतिमाह

**ऐसे करें आवेदन :**
ऑफिशियल वेबसाइट ssb.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
अब New Registration पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें।

# इलाहाबाद हाईकोर्ट में 195 पदों पर निकली भर्ती

इलाहाबाद हाईकोर्ट में 195 पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट allahabadhighcourt.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 2 अप्रैल तय की गई है।

**आवेदन शुरू :**
12 मार्च से 01 अप्रैल 2026 तक

**एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :**
मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन की डिग्री।
साथ में न्यूनतम 100 शब्द प्रति मिनट और टाइपिंग की स्पीड 40 शब्द प्रति मिनट से इंग्लिश शॉर्टहैंड आनी चाहिए।
डाटा एंट्री, वर्ड प्रोसेसिंग और कंप्यूटर ऑपरेशन का नॉलेज।

**एज लिमिट :**
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 35 साल
अधिकतम उम्र में रिजर्व कैटेगरी को नियमानुसार छूट भी दी जाएगी।

**सिलेक्शन प्रोसेस :**
लिखित परीक्षा
स्किल टेस्ट
इंटरव्यू

**सैलरी :**
56,100- 1,77,500 रुपए प्रतिमाह

**फीस :**
सामान्य, ओबीसी : 1900 रुपए
एससी, एसटी, ईडब्ल्यूएस : 1700 रुपए

**जनरल स्टडीज सिलेबस :**
जनरल साइंस
हिस्ट्री ऑफ इंडिया
इंडियन नेशनल मूवमेंट
इंडियन पॉलिटी, इकोनॉमी एंड कल्चर
पॉपूलेशन, इकोनॉमी एंड अर्बेनाइजेशन
वर्ल्ड जियोग्राफी एंड जियोग्राफी एंड रिर्सोसेस ऑफ इंडिया
करेंट नेशनल एंड इंटरनेशनल इम्पॉर्टेंट इवेंट्स
जनरल एप्टीट्यूड
स्पेशल नॉलेज
नॉलेज ऑफ जनरल इंग्लिश एंड जनरल हिंदी
एलिमेंट्री नॉलेज ऑफ कंप्यूटर

**ऐसे करें आवेदन :**
ऑफिशियल वेबसाइट alla-habadhighcourt.in पर जाएं।
होमपेज पर रिक्रूटमेंट विकल्प पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन करके सभी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस का भुगतान करके फॉर्म सब्मिट कर दें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

# गर्मी शुरू होते ही खाना शुरू कर दीजिए कच्चा प्याज, मिलते हैं गजब के फायदे

गर्मी का मौसम आते ही तेज धूप और बढ़ता तापमान सेहत पर असर डालने लगता है। ऐसे में लोग ऐसी चीजों की तलाश करते हैं जो शरीर को ठंडा रखने में मदद करें। आमतौर पर माना जाता है कि कच्चा प्याज गर्मियों में लू से बचाव करने और शरीर को ठंडक देने में मदद कर सकता है। चलिए आपको बताते हैं कि अगर आप गर्मी के मौसम में इसका सेवन करते हैं, तो आपको इससे क्या- क्या फायदा मिलता है।

**कच्चा प्याज क्यों फायदेमंद माना जाता है**
हेल्थ के बारे में जानकारी देने वाली metropolisindia की रिपोर्ट के अनुसार, कच्चा प्याज कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें विटामिन C पाया जाता है, जो शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत करने के साथ-साथ त्वचा के लिए भी फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि यह कोलेजन बनने की प्रक्रिया में मदद करता है। इसके अलावा इसमें फोलेट मौजूद होता है, जो सेल्स के निर्माण और डीएनए के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्याज में पोटैशियम भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो नर्सों के काम और ब्लड प्रेशर को संतुलित रखने में मदद करता है। साथ ही इसमें मौजूद फाइबर डाइजेशन सिस्टम को बेहतर बनाने में सहायक होता है। प्याज में क्वेरसेटिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं, जो सूजन को कम करने और हार्ट की सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

**क्यों खाना चाहिए कच्चा प्याज?**
कच्चे प्याज में पानी की मात्रा अच्छी होती है, जिससे गर्म मौसम में शरीर को हाइड्रेट रहने में मदद मिलती है। यह शरीर में तरल पदार्थों का संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है और डिहाइड्रेशन की समस्या से बचाव कर सकता है। इसके साथ ही इसमें कच्चा प्याज अपने कूलिंग प्रभाव के लिए जाना जाता है। इसे खाने से शरीर के तापमान को संतुलित रखने में मदद मिलती है। यह पसीना आने की प्रक्रिया को भी बढ़ावा देता है, जिससे शरीर स्वाभाविक रूप से ठंडा रहता है। इसलिए गर्मियों में इसे सलाद या खाने के साथ साइड डिश के रूप में खाना फायदेमंद माना जाता है।

**इम्यूनिटी और डाइजेशन को बनाता है मजबूत**
कच्चे प्याज में मौजूद विटामिन C और क्वेरसेटिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद करते हैं। ये शरीर की सेल्स को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाते हैं और इंफेक्शन के खतरे को कम करने में सहायक हो सकते हैं। कच्चे प्याज में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है। इससे कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है और आंतों की काम करने का तरीका बेहतर बनी रहती है। इसके अलावा प्याज में पाए जाने वाले कुछ एंजाइम वसा को तोड़ने में भी मदद करते हैं, जिससे खाना आसानी से पच जाता है।

**ब्लड शुगर को करता है कंट्रोल**
कच्चे प्याज में प्राकृतिक मिठास होती है, लेकिन इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। इसमें मौजूद कुछ तत्व ब्लड शुगर लेवल को संतुलित रखने में मदद कर सकते हैं। इसलिए डायबिटीज से जूझ रहे लोगों के लिए भी इसे सीमित मात्रा में डाइट में शामिल करना फायदेमंद माना जाता है।

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -

9772552446/9799559096

# अकीदत और सादगी के साथ मनाई ईद उल फितर

## अंता विधायक प्रमोद जैन भाया ने ईदगाह पहुंच कर दी ईद की बधाई

बारां (रॉयल पत्रिका) । रमजानुल मुबारक के एक महीने के रोजे मुकम्मल होने पर मजहब-ए-इस्लाम व मुसलमानों के सबसे पवित्र व बड़े त्यौहार ईद-उल-फितर शनिवार को जिले भर में अकीकत के साथ मनाई गई। ईदगाह कमेटी के सेकेट्री शोएब अख्तर ने बताया कि जिला वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी ओर ईदगाह सदर जहीर अहमद द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई थी ।

ईद की नमाज ईदगाह पर सुबह 8 बजे मोहतमिम अब्दुल कय्यूम ने अदा करवाई। रमजान के एक महीने के रोजे रखने के बाद ईद मनाई जाती है, मुसलमान ईदगाह पर ईद की नमाज अदा करते हैं और अपने गुनाहों की माफी, मुल्क में अमन-चैन व खुशहाली की दुआ मांगते हैं। नमाज से पहले जामा मस्जिद के ईमाम मौलाना वसीम अख्तर ने तकरीर करते हुए लोगों को अल्लाह और उसके रसूल के बताए रास्ते पर चलने, बुरे कामों से बचने, भलाई के काम करने और भाईचारे के साथ रहने की बात कही।

नमाज के बाद खुतबा पढ़ा गया। हमेशा की तरह ईदगाह में जगह की कमी के चलते शहर की मस्जिद बारां भाईयान, मस्जिद श्योपुरियांन, तालाब की पाल वाली मक्का मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई। ईदगाह पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी, एसडीएम, तहसीलदार सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी ईदगाह पर मौजूद रहे। वहीं ईद के मुबारक मौके पर ईदगाह पहुंचे पूर्व मंत्री व अंता विधायक प्रमोद जैन भाया, पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल, कांग्रेस के प्रदेश सचिव धर्मराज मेहरा, संगठन महामंत्री कैलाश जैन, नगर अध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज, सेवादल जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव सहित अन्य लोगों ने शहर काजी अब्दुल कय्यूम ओर ईदगाह सदर जहीर अहमद के दस्तारबंदी करके इस्तकबाल किया गया, ओर सभी को ईद की मुबारकबाद पेश की।

इस दौरान जिला वक्फ कमेटी चेयरमैन इरफान अंसारी, सरपरस्त अजीज अंसारी, शोएब अख्तर, समाजसेवी शेख बहादुर, मो० साबिर छोटिया, अनस चिश्ती सहित कई लोग मौजूद रहे।

# लघु उद्योग भारती द्वारा चूरू में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका) । भारत माता और भगवान श्री विश्वकर्मा की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया । लघु उद्योग भारती चूरू के अध्यक्ष सुभाष जांगिड़ ने संगठन के बारे में विस्तार से जानकारी दी । उन्होंने बताया कि 25 अप्रैल 1994 को एक छोटे से वृक्ष का बिजारोपण हुआ जो आज एक विशाल वट वृक्ष के रूप में हमारे सामने है। आज 65000 से अधिक सदस्यों वाला यह संगठन लघु उद्योग के क्षेत्र में निरन्तर नए आयाम स्थापित किए जा रहा है। संगठन का मूल उद्देश्य उद्योग हित के साथ साथ राष्ट्र का विकास एव सामाजिक समरसता में अपना योगदान और भागीदारी रहे इस सिद्धांत पर निरन्तर कार्य किया जाता है । कार्यशाला में MSME उद्योग विभाग जयपुर से आए पंकज कुमार ने सभी उद्यमियों को राज्य - केन्द्र सरकार की उद्योग प्रोत्साहन योजनाओ के बारे में विस्तार से जानकारी दी साथ ही इस क्षेत्र से ज़्यादा से ज़्यादा निर्यात बढ़े ऐसे टिप्स भी दिए गए । आयोजन में उपाध्यक्ष लीलाधर जांगिड, सचिव शंकरलाल जांगिड, कोषाध्यक्ष तनेश सैनी, उपाध्यक्ष मुरारीलाल सैनी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जयपुर प्रांत गौ सेवा प्रमुख पवन दाधीच चूरू, लघु उद्योग भारती जयपुर प्रांत कार्यकारिणी सदस्य दौलत तंवर एवं प्रकाश राजोतिया का सानिध्य प्राप्त हुआ ।

जिला मुख्यालय पर उधमिता का एसा भव्य आयोजन पहली बार हुआ है जिसमें प्रमुख-प्रमुख ऊधमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने लघु उद्योग भारती के इस प्रयास की सराहना की । इस अवसर पर भंवरलाल प्रजापत, शंकरलाल खण्डेलवाल, जगदीश प्रजापत, हनुमान जांगिड, राकेश सैनी, प्रमोद राजोतिया, महावीर जांगिड, अशोक जांगिड, सुनील सैनी, नानग राम प्रजापत, पंकज जांगिड, ओम प्रकाश जांगिड ,सहित अनेक ऊधमी उपस्थित रहे।

# ब्रांड एंबेसेडर ने रोडमैप के साथ समझाया स्वच्छता का महत्व

बारां (रॉयल पत्रिका) स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एंबेसेडर केके गुप्ता ने शुक्रवार को जिले के नगर निकायों के अधिकारियों व एसबीएम टीम के साथ बैठक कर स्वच्छता का महत्व समझाते हुए इसके लिए रोडमैप सुझाया। उन्होंने कहा कि एसबीएम से आने वाले दिनों में बेहद सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। इसके लिए प्रदेश के सभी जिलों में स्वच्छता के नए कीर्तिमान प्राप्त करने की दिशा में योजनाबद्ध कार्य प्रारंभ किया गया है।

ब्रांड एंबेसेडर गुप्ता ने मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित बैठक में कहा कि वर्ष 2047 में भारत को विश्व गुरू बनाने के लक्ष्य में स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। देश के प्रधानमंत्री और हमारे मुख्यमंत्री इस दिशा में बेहद संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहे हैं। जिसके परिणाम दृष्टिगोचर भी होने लगे हैं। पूर्ण स्वच्छता की लक्ष्य प्राप्ति के लिए अभी भी नगरीय क्षेत्रों में बड़े और कड़े कदम उठाए जाने आवश्यक हैं। स्वच्छता कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए प्रदेश के सभी नगर निकायों का उपलब्धि के आधार पर ग्रेड देकर वर्गीकरण किया जाएगा तथा सम्बन्धितों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। साथ ही आमजन का स्वास्थ्य इससे जुड़ा होने के कारण उन्हें भी अपना पूर्ण समर्थन और सहयोग इस अभियान में देने कर लिए प्रेरित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सभी नगरों में स्वच्छता को धरातल पर उतारने के लिए डोर टू डोर कचरा संग्रहण का कार्य प्रतिदिन सौ फीसदी हो। इसके लिए नगर निकायों के पास पर्याप्त वाहनों की उपलब्धता रहे। सार्वजनिक टॉयलेट्स को पूजा स्थलों की तरह साफ-स्वच्छ रखते हुए इन्हें शहर की स्वच्छता का आईना बनाया जाए। रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। सफाई के कार्य के फोटो जिओ टैगिंग के साथ प्रमाणित किए जाएं। डम्पिंग यार्ड से कचरे का निस्तारण भी निर्धारित मानदण्डों के अनुसार किया जाए। खाली भूखंडों पर उनके स्वामियों को पाबंद करते हुए गन्दगी और पानी जमा होने से रोका जाए तथा इसमें सुधार नहीं होने पर नगर निकाय स्वयं सफाई कर उनसे भारी पेनल्टी के साथ धनराशि की वसूली करें।

गुप्ता ने कहा कि नगरीय क्षेत्र को सुव्यवस्थित और सुंदर बनाने के लिए नियमित रूप से सड़कों, नालियों व रोड लाइट की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के साथ करें। निजी भवनों के निर्माण की सामग्री सड़कों पर जमा होने से रोकें तथा सार्वजनिक पार्कों को सुंदर करते हुए नियमित देखभाल की जाए। बैठक में नगर परिषद आयुक्त भुवनेश मीणा सहित सभी नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी व अभियान से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

## मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान द्वारा 30वां होली मिलन समारोह एवं ईद मिलन जलसा आयोजित

**शब्बीर हुसैन**

बांरा (रॉयल पत्रिका) मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान के तत्वावधान में 30वां होली स्नेह मिलन समारोह एवं ईद मिलन जलसे का आयोजन रविवार 22 मार्च को शहर के निजी रेस्टोरेंट में आयोजित किया गया।

प्रोग्राम कन्वीनर कन्हैया लाल चित्तौडा व शैलेन्द्र गोयल ने बताया कि समारोह के अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी, जे.एल. एन.कालेज के निदेशक डॉ. आजम बेग, नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन कैलाश शर्मा, महिला पुलिस थानाधिकारी आशा रानी बारहठ, राकमा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद अशफाक खान एन टी पी सी, पूर्व अंजुमन सदर माजिद सलीम, प्रशासनिक अधिकारी रविन्द्र सिंह ठेनुआ, "बेटी बचाओ बेटी पढाओ" की ब्रांड एंबेसडर डॉ. सुधीरा शर्मा, प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की प्रदेश सचिव अफसरा अंसारी, पूर्व जिला प्रमुख भरत मारन, जिला वक्फ कमेटी चेयरमैन इरफान अंसारी, जिला हज कमेटी के संयोजक हाजी लियाकत अली मेव, अग्रवाल महिला मण्डल की अध्यक्ष नीतू गुप्ता मंच आसीन रही।

सभी अतिथियों का संस्थान अध्यक्ष शेख बहादुर अली, नवीन गर्ग विनायक, रामगोपाल मालव, डॉ. अब्दुल रशीद शाह, अब्दुल वहीद मुन्ना मास्टर, फरीदा शेख, फरहत नाज रानू, राज कुमार खींची ने शाल ओढा कर स्मृति चिन्ह भेंट कर फूल मालाओं से स्वागत किया।

सभी अतिथियों ने कहा कि ऐसे आयोजन से हिंदू मुस्लिम समुदाय मे कौमी एकता भाईचारे की भावना मजबूत होती हैं । मौलाना आजाद परिवार होली ओर ईद मिलन समारोह एक साथ मनाकर सब धर्म मजहब के लोगों को एक मंच एक जाजम पर बैठा कर एकता का संदेश देकर साम्प्रदायिक सौहार्द की मिसाल को कायम करने में लगे हैं जो एक सराहनीय कदम है।

संचालन नवीन गर्ग विनायक ने किया। हाजी लियाकत अली मेव ने सबका धन्यवाद पारित किया।

सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की दिली मुबारकबाद

ईरशाद गौरी
पिंक सिटी टैक्सी यूनियन अध्यक्ष चौमू
8233423800

पिंक सिटी टैक्सी यूनियन चौमू

Eid Mubarak

ओमप्रकाश पंचोली
उपाध्यक्ष

शहजाद मौलाना
संरक्षक

गोरधन डागर संरक्षक

बबलू पठान
संगठन मंत्री

ईमरान खान
महामंत्री
मोहन डागर,
सदस्य

सलीम खान
सदस्य

कालूराम जाट
सदस्य


# जाट सामूहिक विवाह को लेकर धानेश्वर में बैठक संपन्न

## -सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश लगाने का लिया निर्णय

इकबाल मोहम्मद शाह

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान मेवाड़ जाट महासभा, भीलवाड़ा के तत्वावधान में आगामी 20 नवंबर 2026 को प्रस्तावित चतुर्थ जाट सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर धानेश्वर (फूलिया कलाँ) में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। सेवानिवृत्त अध्यापक देवकरण घटाला की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में समाज सुधार और आयोजन की रूप-रेखा पर विस्तृत चर्चा की गई, बैठक में सर्वसम्मति से संगठन विस्तार करते हुए रामधन थरोदा को ब्लॉक अध्यक्ष (शाहपुरा) एवं शिवराज वीरबाडिया को ब्लॉक अध्यक्ष (शाहपुरा) मनोनीत किया गया। आयोजन स्थल के चयन को लेकर यह निर्णय लिया गया कि जिस क्षेत्र से सर्वाधिक जोड़ों का पंजीकरण होगा, सामूहिक विवाह का भव्य आयोजन उसी क्षेत्र में किया जाएगा।

महासभा के महामंत्री शोभाराम तोगडा ने बैठक का संचालन करते हुए समाज में बढ़ते दिखावे और फिजूलखर्ची पर चिंता व्यक्त की। बैठक में समाज हित में निम्नलिखित कड़े निर्णय लिए गए जिसमें - (1) शादी से पहले पहनाए जाने वाले जेवरातों की अधिकतम सीमा 5 लाख रुपये निर्धारित की गई, (2) सामाजिक कार्यक्रमों में प्रचलित 'कपड़ा प्रथा' को बंद कर उसके स्थान पर नकद लिफाफा देने की नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया, (3) ज्योतिषाचार्य अंबालाल डकावा सहित अन्य वक्ताओं ने विवाह योग्य जोड़ों को सामूहिक सम्मेलन में ही विवाह करने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेशाध्यक्ष शंकर लाल कुड़ी एवं विशिष्ट अतिथि जिलाध्यक्ष देवबक्ष ढाबरढीमा रहे। इस दौरान सूरज करण ज्याणी, जे.पी. मालोदिया, ओम प्रकाश घटाला (शारीरिक शिक्षक), अंबालाल जाजूदाँ, भागचंद चाडा, जगदीश बारवाड़िया, बंटी चाड़ा, राजाराम गूगड, सूरत राम बराला, मनीराम चाडा, द्वारका प्रसाद और मुकेश कुमार भीचर ने भी अपने विचार रखे। सभी वक्ताओं ने सामाजिक एकता, समरसता और एकजुटता पर विशेष जोर दिया।


सभी देशवासियों को
ईद-उल-फितर की दिली मुबारकबाद

Eid Mubarak

विक्रम जोधा 9828287746

पूर्व पार्षद नगर परिषद चोमू

समाज सेवी



सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की
दिली मुबारकबाद

मोहम्मद जफर

मोहम्मद अर्श

सदर
दरगाह बाबा पठान साहब कमेटी बारां


## दिल की बीमारी के बावजूद नौ साल के हसनैन ने रखे 30 रोज़े

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका) । रहमतों बरकतों और इबादतों का पाकीज़ा महीना रमजानुल मुबारक के पाक महीने में मजहब-ए-इस्लाम के मानने वाले तमाम लोग रोज़ा रख कर इबादतों में मशगूल हैं। रमजान के मुबारक मौके पर बुजुर्ग, नौजवान, महिला, पुरुष रोजा रख रहे हैं। वहीं नन्हे बच्चे भी रोज़ा रखकर इबादत में मशगूल हैं। पाली के कालू कोलानी निवासी इंसाफ शेख रायपुर वालों के पुत्र नौ साल के मोहम्मद हसनैन ने रमजान के पूरे माह के 30 रोज़े रखे । उल्लेखनीय है कि मोहम्मद हसनैन के दिल में छेद होने के कारण उसका अहमदाबाद में इलाज जारी है, फिर भी उसमें इबादत के जज्बे के कारण पूरे एक माह( 30 दिन) के रोज़े रखे हैं। मोहम्मद हसनैन दिन भर परिवार


सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की
बहुत-बहुत मुबारकबाद

परवेज मंसूरी
ब्लॉक अध्यक्ष
ब्लॉक कांग्रेस कमेटी
अल्पसंख्यक विभाग शाहबाद, जिला बारां
मो. 9602040406


## "परोपकार ही सबसे बड़ा धर्म है और जल की सेवा, सबसे बड़ी मानवता

मोहम्मद अली पठान

चूरू/ दुधवाखारा (रॉयल पत्रिका) । ऐतिहासिक गांव दूधवाखारा में, एक बार फिर सेवा की सुंदर मिसाल पेश की गई है। यहाँ के प्रतिष्ठित दाधीच (बोड़ायडा) परिवार ने अपने पूर्वजों की पावन स्मृति को अमर रखने के लिए, सार्वजनिक कुएं पर इस भव्य ट्यूबवेल का निर्माण करवाकर समाज को सप्रेम भेंट किया है। यह पुनीत कार्य हमारे पूजनीय पूर्वजों: स्वर्गीय श्रीमती तुलसी देवी, धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री राम कुमार दाधीच ,स्वर्गीय रुक्मिणी देवी, धर्मपत्नी स्वर्गीय मदन लाल दाधीच, स्वर्गीय गीता देवी, धर्मपत्नी स्वर्गीय मखनलाल लाल दाधीच, स्वर्गीय मूलचंद जी, स्वर्गीय संतोष देवी, स्वर्गीय बनवारी लाल और

स्वर्गीय राकेश कुमार जी दाधीच की गौरवमयी स्मृति में समर्पित है। दाधीच परिवार का यह विनम्र प्रयास, गांव की पेयजल समस्या को दूर करने और पितरों के आशीर्वाद को जन-जन तक पहुँचाने का एक जरिया है। पितरों की स्मृति में किया गया यह 'जल-दान', दूधवाखारा के उज्जवल भविष्य और भाईचारे का प्रतीक बनेगा।


सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की दिली मुबारकबाद

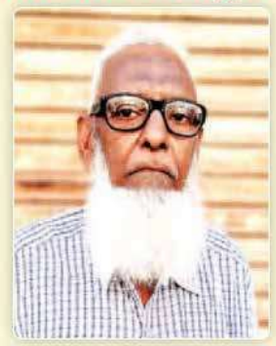

जावेद मोहम्मद
रिटायर्ड एएसआई, सवाई माधोपुर

माहे रमजान में हर बुरी बात से बचना भी रमजान की इमकान है।



सभी देशवासियों को ईद-उल-फितर की बहुत-बहुत मुबारकबाद

Reg. No. - 503 / 1998-99

Principal
Alfiya
M. 8094535201

Director
Najmunnisa
M. 9667135201
Recognised by Raj. Govt.

Safiya Public Secondary School
S.R. PUBLIC SCHOOL
SAFIYA ENGLISH SCHOOL

AIR COOLED CLASSS ROOMS
CCTV CLASS ROOMS
SCHOOL ADMISSION OPEN
Nursery to Xth
English & Hindi

Facilities
- Library
- Indoor Games
- Outdoor Games
- Smart Classrooms
- Art & Craft
- Qualified & Trained Teachers
- Dance & Music Class
- Picnic & Educational Tour
- Computer Lab
- Doctor Check-up
- Free Extra Classes

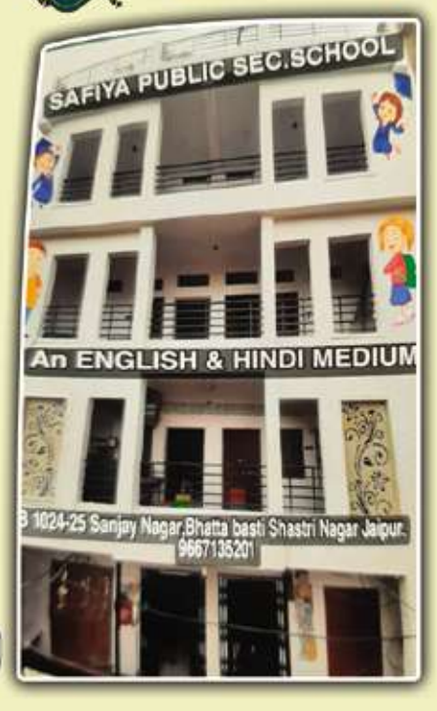


E-mail: safiyapublicssschool@gmail.com
Website: www.safiyapublicschool.com

• B-1024-25, Sanjay Nagar, Bhatta Basti Shastri Nagar, Jaipur
• I - 27, J P Colony, Shastri Nagar, Jaipur - 302016



ईद उल फितर की दिली मुबारकबाद

सलीम भाई बंगाली
हुसैन भाई बंगाली
बंगाली ज्वैलर्स

सोने व चांदी के सभी प्रकार के आभूषण बनाये जाते हैं।
पता - मनिहारी बाजार, पुरानी एसबीआई बैंक के सामने, शहर सवाई माधोपुर,
मो. 9352897404,7357790630


## आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

## उमराह पैकेज बुक कराने से पहले सावधानियाँ

पिछले अंकों में आपने पढ़ा कि उमराह क्या हैं, उमराह क्यों करना चाहिए, हवाई जहाज़ के टिकट, वीज़ा, होटल, ट्रांसपोर्ट, लॉन्ड्री और खाने के ताल्लुक़ से क्या-क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए।

आइये आज हम बात करते हैं कि ज़ियारत और गाइड के बारे में। मक्का और मदीना में जिन जगहों की ज़ियारतें होती हैं उन मुक़द्दस जगहों की जानकारी आपको उमराह पैकेज बुक करने वाले से लेनी चाहिए।

**मक्का की ज़ियारतें:**

1. गार ए हिरा
2. गार ए सौर
3. अराफात का मैदान
4. जब्ल ए रेहमत
5. मीना
6. मुज़दलफा
7. नहर ए ज़ुबैदा
8. मस्जिद ए शजर
9. मस्जिद ए जिन
10. मस्जिद ए आइशा (र अ)
11. मस्जिद अल कैफ
12. मस्जिद ए निमरा

**मदीना की ज़ियारतें:**

1. मस्जिद ए कूबा
2. मस्जिद ए क़िबलेतेन
3. मस्जिद बिलाल (र अ )
4. हज़रात सलमान फ़ारसी का बाग़
5. उहद का पहाड़
6. शुहदा ए उहद का क़ब्रिस्तान
7. मस्जिद जुमा
8. हज़रत उस्मान (र अ) का बाग़ और कुंवा
9. जन्नत उल बक़ीअ
10. मस्जिद ए गमामा
11. मस्जिद हज़रत अबू बक्र (र अ)
12. मस्जिद ए अली (र अ)
13. खाक ए शिफ़ा का मैदान
14. जब्ल ए रूमात
15. मस्जिद ए सबा
16. ख़ंदक़ हज़रत सलमान फ़ारसी (र अ)

जितनी जगह ज़ियारत पर जाना है पैकेज बुक करने वाले से उसकी लिस्ट ज़रूर चेक कर लें। उमराह पैकज बुक कराते वक़्त ये ज़रूर मालूम कर लें कि उमराह के अरकान तजुर्बेकार गाइड के साथ होंगे या नहीं। कहीं सस्ते के चक्कर में उमराह पर ले जाने वाले गाइड की जगह खुद ही आधी अधूरी जानकारी हाजियों को तो नहीं दे रहे। वहाँ की ऐतिहासिक और ज़रूरी ज़ियारतों के बारे में मुक़म्मल जानकारी सिर्फ और सिर्फ एक तजुर्बेकार गाइड को ही हो सकती हैं । एक बात हमेशा याद रखिये कि सस्ता उमराह पैकेज कभी अच्छा नहीं होता और अच्छा उमराह पैकेज कभी सस्ता नहीं होता।

**आज के लिए बस इतना ही, बाकी अगले हफ्ते इंशाअल्लाह, तब तक के लिए खुदा हाफिज !**

**अब्दुल हमीद मंसूरी (8952937611)**
**मालिक उमराह ट्यूर ऑफ़ इंडिया**

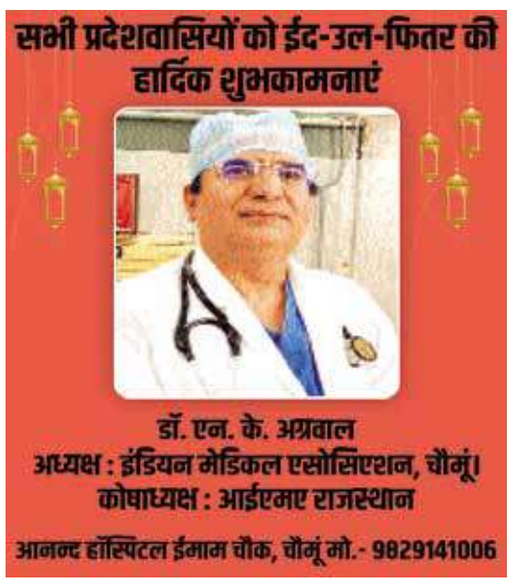

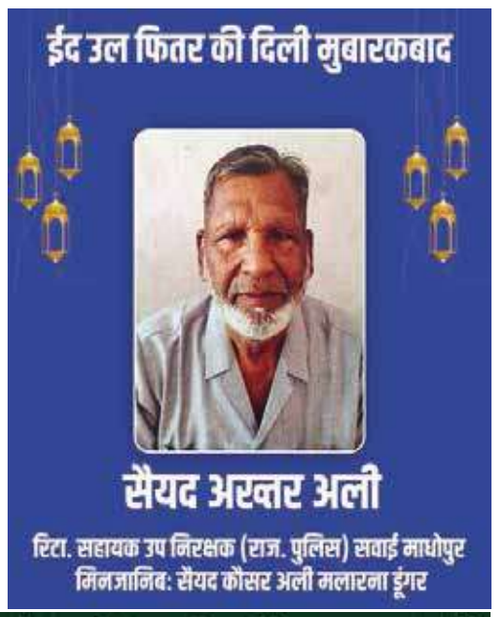

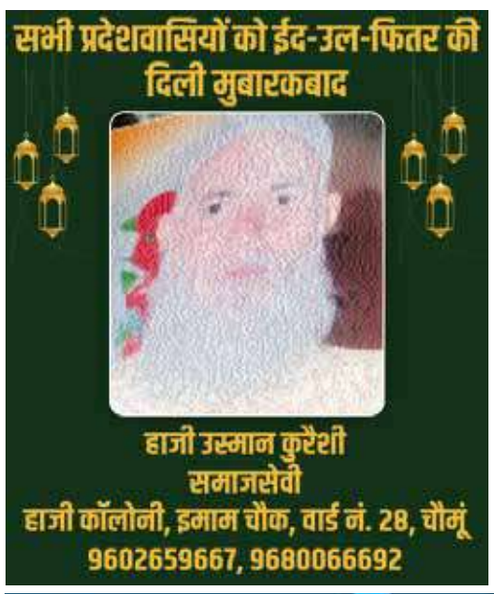


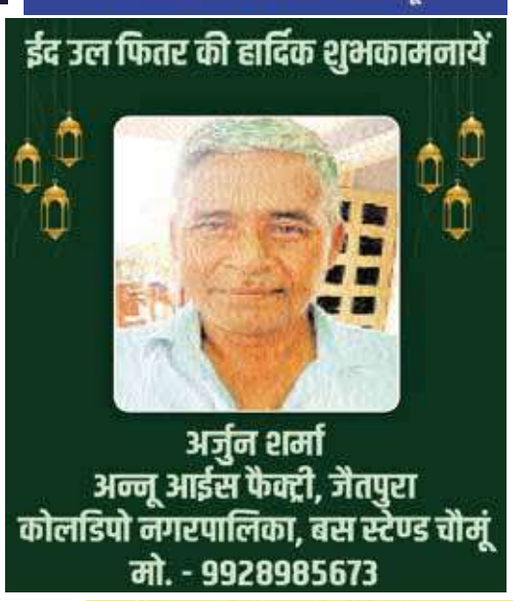

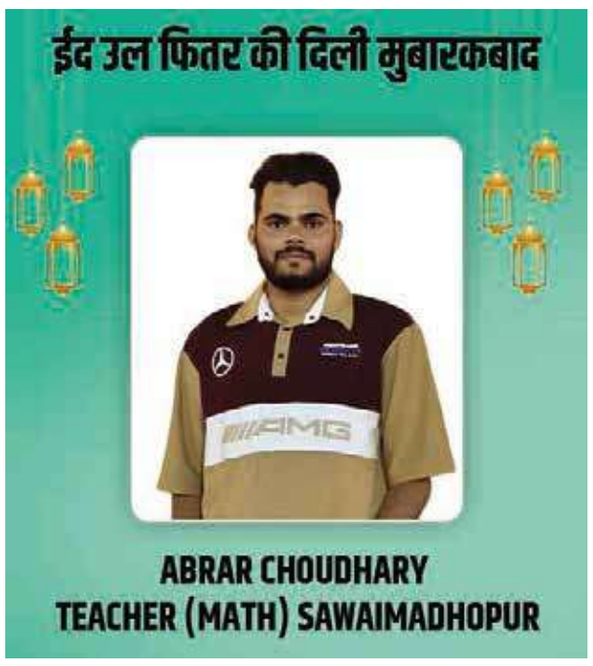

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित । पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com